卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्निं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केंद्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 64 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦बुधवार ♦10 दिसम्बर 2025 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

सुनवाई से पहले हल्द्वानी में कड़ी सुरक्षा

बनभुलपुरा क्षेत्र जीरो जोन घोषित,स्कूल भी बंद रहे, आने जाने वालों की सघन चेकिंग

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। बनभूलपुरा रेलवे भूमि प्रकरण की सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई को लेकर हल्द्वानी शहर में बुधवार सुबह से ही सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सुबह आठ बजे से बनभूलपुरा क्षेत्र को जीरो जोन घोषित किया गया, जहां स्कूटी, वाहन और पैदल आने-जाने वालों की चेकिंग की जा रही है। पैदल लोगों से आधार कार्ड और पहचान पत्र मांगे जा रहे हैं, वहीं स्कूटी की डिग्गी की भी जांच की जा रही है। सुरक्षा इंतजामों का आज एसएसपी मंजुनाथ टिसी ने जायजा भी लिया। बनभूलपुरा क्षेत्र में पुलिस असलहा और लाठी डंडों के साथ मुस्तैद है। सुरक्षा कारणों से क्षेत्र में पैदल गश्त भी चल रही है और कई दुकानें बंद हैं, जबकि कुछ दुकानें ही खुली हैं। स्कूलों को भी बंद रखा गया है। जीरो जोन होने के कारण गौला पुल से लोगों को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। लोग अब हल्द्वानी बस स्टेशन मार्ग से आवाजाही कर रहे हैं। मुख्य बाजार से बनभूलपुरा के

ताज चौराहा तक भारी पुलिस बल तैनात है और प्रवेश करने वालों की सख्ती से जांच की जा रही है। शहरवासियों में सुनवाई को लेकर चिंता और चर्चा दोनों देखी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट में आज बनभूलपुरा मामले की सुनवाई शाम तीन से चार बजे होने की संभावना है। याचिका से जुड़े लोग पहले ही दिल्ली पहुंच चुके हैं। यह मामला करीब 4365 मकानों में रहने वाली बड़ी आबादी से जुड़ा है। पिछले साल अतिक्रमण हटाने के दौरान हुई हिंसा को देखते हुए पुलिस और जिला प्रशासन किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। रेलवे का दावा है कि बनभूलपुरा की गफूर बस्ती, इंदिरा नगर, नई बस्ती और पटरी के किनारे 29 हेक्टेयर जमीन पर अवैध निर्माण हुआ है, जबकि स्थानीय लोगों का कहना है कि वे यहां 40-50 साल से रह रहे हैं। हल्द्वानी निवासी रविशंकर जोशी ने 2022 में हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिस पर भूमि को अतिक्रमणमुक्त करने के निर्देश दिए गए थे। इसके विरोध में क्षेत्रीय लोगों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुनवाई से पहले सुरक्षा कारणों से बिलाली मस्जिद के इमाम मौलाना मोहम्मद आसिम समेत 20 लोगों को निजी मुचलके में पाबंद किया गया। इससे पहले 1 दिसंबर को 121 और हाल ही में 15 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें बनभूलपुरा हिंसा के आरोपी भी शामिल हैं। सुरक्षा को देखते हुए क्षेत्र के सभी सरकारी और निजी स्कूल बंद हैं। अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम भी खिलाड़ियों के लिए बंद रखा गया। हल्द्वानी-गौलापार और शनिबाजार मार्ग पर आवाजाही बंद की गई है। पूरे क्षेत्र में करीब 800 अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनात किया गया है। इसमें तीन एएसपी, चार सीओ, 12 थानाध्यक्ष व इंस्पेक्टर, 45 एसआई व एएसआई, 400 कांस्टेबल व हेड कांस्टेबल शामिल हैं। पीएसी की तीन कंपनियां, फायर यूनिट, टियर गैस यूनिट और ड्रोन भी सुरक्षा में तैनात हैं।

तमंचे के साथ बदमाश दबोचा

काशीपुर(उद संवाददाता)। अवैध शस्त्रों के विरुद्ध चलाएं अभियान के क्रम में आईटीआई पुलिस ने एक बदमाश को दबोच कर तलाशी में उसके कब्जे से

अवैध तमंचा व कारतूस बरामद किया है। जानकारी के मुताबिक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्र के निर्देश पर आईटीआई पुलिस रात्रि चेकिंग में मशगूल थी इसी दौरान मोटेश्वर मंदिर के समीप मोटरसाइकिल पर सवार होकर फर्राटा भर रहे एक शख्स को पुलिस ने शक के आधार पर रोक लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम बेरखेड़ा, बिलासपुर जनपद रामपुर उत्तर प्रदेश निवासी दिलराज सिंह पुत्र अमरीक सिंह बताया। तलाशी में उसके कब्जे से पुलिस को 315 बोर का (शेष पृष्ठ सातपर)

आवश्यकता है

रूद्रपुर में न्यूज चैनल के लिए एक वीडियो एडिटर की अवश्यकता है।

-: शीघ्र सम्पर्क करें:-

मो. 9897427586

पर्यटकों की कार खाई में गिरने से दो की मौत,छह लोग घायल

भवाली। रामगढ़ के गागर क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में पर्यटकों की कार खाई में गिर गई, जिसमें दो पर्यटकों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। हादसे के शिकार सात लोग एक ही परिवार के थे। सूचना मिलने पर भवाली पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाया और सभी यात्रियों को बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार एक्यूवी 700 वाहन संख्या यूपी 14एफके 1616 में सवार आठ लोग नैनीताल और मुक्तेश्वर घूमने के बाद वापस नौएडा लौट रहे थे। देर रात नैनीताल जिले के राम गढ़ क्षेत्र में वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। कार में चालक समेत आठ लोग सवार थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और खुद भी रेस्क्यूमें जुट गये। सूचना पर एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गयी। रात के अंधेरे में खाई में उतरना जोखिम पूर्ण था। स्थानीय लोगों की मदद से एसडीआरएफ की टीम उपकरणों के साथ खाई में उतरी और वाहन में फंसे एवं बाहर छिटके घायलों को खाई से निकालकर सड़क तक लााया गया। इसके बाद गाजियाबाद

निवासी घायल नितिन (32), रुचि (39), निस्ता (14), शामा, कंचन (26), लवे (11), सचिन (32) और लक्शी (12) शामिल थे को भवाली सीएचसी पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने सचिन और लक्शी को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य छह घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद गंभीर अवस्था में हल्द्वानी सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर किया गया। कोतवाल प्रकाश सिंह मेहरा ने बताया कि मृतकों के शव भवाली में रखे गए हैं और घायलों का इलाज हल्द्वानी एसटीएच में भर्ती किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है । सभी घायलों की स्थिति स्थिर है।

ससुरालियों ने विवाहिता को घर से निकाला

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैंप निवासी एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट, धमकी देने तथा जातिगत टिप्पणी करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता रेशू कन्नौजिया का विवाह रजत दीक्षित निवासी वीर हकीकत राय मार्ग से दिनांक 4 अक्टूबर 2024 को हिंदू रीति-रिवाज के साथ हुआ था। विवाह का पंजीकरण 14 नवंबर 2024 को कराया गया था। विवाहिता का कहना है कि शादी के कुछ समय बाद ही उसके पति रजत दीक्षित व ससुराल पक्ष ने उसे दहेज को लेकर तंग करना शुरू कर दिया। आरोप है कि उन्होंने उसकी आर्थिक स्थिति का मजाक उड़ाते हुए चार पहिया वाहन (शेष पृष्ठ सातपर)

तो उत्तराखंड के ‘भूतिया गांवों’ से निकलेगा ‘भाजपा की जीत’ का रास्ता ?

पहाड़ों को आबाद करने के साथ- साथ सत्ताइस की जीत का नया फार्मूला तैयार करने की कोशिश में बीजेपी,एसआईआर से पहले चलाने जा रही है एक खास अभियान

-अर्श-

देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ों के खाली होते गांव सरकारों के लिए हमेशा से न केवल पलायन बल्कि सामरिक दृष्टि से भी बेहद चिंताजनक रहे हैं। वैसे तो केंद्र तथा राज्य की भाजपा सरकार उत्तराखंड में भूतिया हो चुके इन गांवों को आबाद करने के लिए पहले से ही प्रयासरत है,लेकिन अब भारतीय जनता पार्टी उत्तराखंड के इन भूतिया गांवों को सत्ताइस के विधानसभा चुनाव की जीत का फॉर्मूला बनाने की तैयारी में है।दरसल, बीजेपी अपने एक अभियान के तहत पहाड़ के गांव छोड़ चुके लोगों की एक लिस्ट तैयार कर रही है। लिस्ट तैयार होने के बाद बीजेपी इन लोगों तक पहुंचेगी और एसआईआर के दौरान इनसे अपने ही गांव में वोट बनाने के लिए अपील करेगी। बीजेपी का मानना है कि ये फार्मूला ना केवल गांव के लिए बेहतर रहेगा, बल्कि 2027 की जीत में भी एक अहम रोल अदा करेगा । इस प्रयोजन के लिए राज्य की बीजेपी सरकार ने उत्तराखंड से पलायन कर चुके लोगों का डाटा तथा उनके फोन नंबर और वे कहां पर रह रहे हैं, आदि की जानकारी एकत्रित करनी शुरू कर दी है। जानकारी इकट्ठी होने के बाद बीजेपी उन लोगों के दरवाजे तक जाएगी, जो लोग अब राज्य से बाहर या पहाड़ों से उतरकर तराई में आ चुके हैं। बीजेपी चाहती है कि वह

लोग अपने पैतृक गांव में ही अपना वोट बनवाएं और वहीं पर मताधिकार का प्रयोग करें।उत्तराखंड में बीजेपी भूतिया हो चुके गांव को अपनी जीत के लिए रास्ता मान रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने इसके लिए बाकायदा अपने पदाधिकारियों के बैठक करके यह दिशा निर्देश दिए हैं। अपने दिशा निर्देश में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि हर जिले के हर तहसील के बूथ स्तर का कार्यकर्ता यह जानकारी इकट्ठा करेगा कि उसके आसपास के कितने गांव खाली हो गए हैं और पलायन करने वाले लोग कहां रह रहे हैं अगर कोई पहाड़ों में रहने वाला व्यक्ति अन्य शहर या फिर देहरादून ऋषिकेश हल्द्वानी हरिद्वार जैसे इलाकों में रहने भी लगा है तो उसकी जानकारी इकट्ठा करके संपर्क किया जाएगा। तत्पश्चात बीजेपी ऐसे लोगों को, गांव में वोट करने के फायदे तथा उनके एक वोट से पहाड़ों की तस्वीर कैसे बदल सकती है, इस संबंध में विस्तार से समझाएगी। बीजेपी गांव छोड़ने वाले लोगों को यह भी बताएगी कि अगर वे लोग अपने-अपने गांव में वोट का प्रयोग करते हैं तो पहाड़ों की विधानसभा लोकसभा सीट में आगामी कुछ सालों में उल्लेखनीय बदलाव हो सकते हैं? और केंद्र सरकार द्वारा दिया जा रहे विकास का पैसा भी उनके गांव में लग सकेगा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मथुरादास जोशी ने भाजपा की रणनीति इस रणनीति पर प्रकाश डालते हुए मीडिया को बताया कि बीजेपी एक खास रणनीति पर काम कर रही है और इसके अच्छे परिणाम आने वाले समय (शेष पृष्ठ सातपर)

मुख्यमंत्री ने 142 नवनियुक्त असिस्टेंट प्रोफेसर्स को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

देहादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्य सेवक सदन, मुख्यमंत्री आवास, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड के माध्यम से चयनित राजकीय मेडिकल कॉलेजों में 142 असिस्टेंट प्रोफेसर्स को नियुक्ति पत्र वितरित किए।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नवनियुक्त असिस्टेंट प्रोफेसर्स को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये अवसर चिकित्सा के क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने सभी से आग्रह करते हुए कहा कि सभी अपने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ उनके भीतर संवेदनशीलता, सहानुभूति और सेवा की भावना भी विकसित करें। जिससे वे कुशल और दक्ष चिकित्सक बनने के साथ समाज के प्रति अपने कर्तव्यों और मानवता के प्रति अपने उत्तरदायित्व को भी पूरी ईमानदारी से निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार, प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण पर निरंतर कार्य कर रही है। राज्य के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सकीय सुविधाएँ सस्ती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। आयुष्मान योजना के अंतर्गत अब तक करीब 61 लाख आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए हैं। जिसके माध्यम से प्रदेश के लगभग 17 लाख से अधिक मरीजों का 3300 करोड़ रुपये से अधिक का कैशलेस उपचार किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित कर रही है। जिससे सुदूरवर्ती क्षेत्रों के लोगों को उनके जिले में ही आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इनमें से पाँच मेडिकल कॉलेज पहले से ही संचालित किए जा चुके हैं, जबकि दो और मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। देहरादून, हल्द्वानी और श्रीनगर मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशियलिटी विभाग भी स्थापित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा हल्द्वानी में राज्य के प्रथम आधुनिक कैंसर संस्थान का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। साथ ही हेली एंबुलेंस, आपातकालीन परिस्थितियों में सुदूरवर्ती क्षेत्रों के लोगों के लिए जीवन रक्षक साबित हो रही है। राज्य में मरीजों को पैथोलॉजिकल जांचों की भी निःशुल्क सुविधा प्रदान की जा रही है। टेलीमेडिसिन सेवाओं के माध्यम से दूरदराज के गाँवों में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा परामर्श सुविधा भी प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में स्टाफ की कमी को दूर किया जा रहा है। 142 असिस्टेंट प्रोफेसरों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर रहे हैं, साथ ही 356 असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी गतिमान है। 1248 नर्सिंग अधिकारियों और 170 टेक्नीशियनों को भी नियुक्तियां प्रदान की गई है और करीब 600 नर्सिंग अधिकारियों की चयन प्रक्रिया भी गतिमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पहले भर्तियों में भारी पक्षपात, धांधली और भ्रष्टाचार हुआ करता था। हमने, राज्य में देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया। आज सभी चयन प्रक्रियाएँ मेरिट के आधार पर सुनिश्चित की जा रही हैं, जिससे योग्य उम्मीदवारों को उनके कौशल और परिश्रम का पूरा लाभ मिल रहा है। अब तक प्रदेश के लगभग 27 हजार युवा सरकारी नौकरी पाने में सफल हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा जहां भी पद रिक्त हैं, उन्हें जल्द से जल्द आयोग के माध्यम से भरा जायेगा। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि आज मेडिकल कॉलेज में 62 प्रतिशत परमानेंट फैकल्टी हैं। भविष्य में ये संख्या और बढ़ने वाली है। उन्होंने कहा पिथौरागढ़ और रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज का काम 70 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। अगले सत्र से दोनों मेडिकल कॉलेज शुरू हो जाएंगे। राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 625 बच्चे एमबीबीएस और 256 बच्चे पीजी कर रहे हैं। राज्य में करीब 100 कॉलेज हैं, जिसमें से 14 हजार बच्चे हर साल नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा हाल ही में नियुक्त हुए 3000 नर्सिंग स्टाफ में 100 प्रतिशत लोग उत्तराखंड राज्य के हैं। उन्होंने कहा राज्य में 32 लाख लोगों की निःशुल्क जांच, 350 लोगों को एयर एम्बुलेंस से हाइय सेंटर रेफर किया गया है। इस अवसर पर विधायक श्रीमती सविता कपूर, विधायक खजान दास, सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार, निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. अजय आर्य एवं मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य मौजूद थे।

अखिल भारतीय पंचायत परिषद का दो दिवसीय अधिवेशन 13 से कर्नाटक में : नागर

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। अखिल भारतीय पंचायत परिषद के राष्ट्रीय महासचिव महेंद्र नागर ने बताया अखिल भारतीय पंचायत परिषद का 18 वां राष्ट्रीय सम्मेलन 13 व 14 दिसंबर को महात्मा गाँधी ग्रामीण विकास पंचायत राज्य विश्वविद्यालय बड़ा मल्यावर कर्नाटक में होगा। जिसका शुभारम्भ मुख्यमंत्री कर्नाटक सिद्धारमैय एवं समापन पंचायत राज्य मंत्री प्रियांक खड़के द्वारा किया एवं अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार सुबोध कांत सहाय द्वारा की जाएगी। उन्होंने बताया कि उक्त सम्मेलन मे मुख्य रूप से राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अशोक चौहान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व सांसद डीपी रॉय, महासचिव मुख्यालय अनिल शर्मा अपने विचार रखेंगे। इस अवसर पर ग्रामीण विकास एवं पंचायत

राज लगातार उठती समस्याओं पर मंथन किया जाएगा। सम्मेलन में स्वच्छता एवं आवास पंचायत की महत्वपूर्ण विषय पर भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि अधिवेशन में देशभर से करीब 1000 प्रतिभागी भाग लेंगे। सम्मेलन में ग्रामीण विकास से सम्बंधित समस्याओं पंचायत राज्य व्यवस्था को पूरे देश में और अधिक सशक्त एवं मजबूत बनाया जाए, पंचायत परिषद के संगठन को ग्रामीण स्तर तक अधिक मजबूत किए जाने तथा 73वें 74वें संविधान संशोधन के अनुरूप ग्राम पंचायत को अधिक सशक्त करने संबंधी सुझाव राज्य सरकारों द्वारा दिलाए जाने के प्रमुख मुद्दे होंगे। राष्ट्रीय सम्मेलन में ग्राम प्रधान प्रतिनिधियों को भी ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज व्यवस्था को और अधिक मजबूत व सुदृढ़ बनाने पर अपने सुझाव रखने का अवसर प्रदान किया जाएगा। नागर ने बताया सम्मेलन में नई दिल्ली में मंथन शिविर की नई तिथियों मय् विवरण पर चर्चा की जाएगी। नागर ने बताया राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोध कांत सहाय द्वारा सभी प्रांतो के अध्यक्ष, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को सम्मेलन में ग्राम पंचायत स्तर से भागीदारी सुनिश्चित कर ग्रामीण विकास एवं पंचायतों को मजबूत बनाने के लिए निर्देश दिए गए हैं। उक्त राष्ट्रीय सम्मेलन मे मुख्य रूप से ठाकुर ध्यान पाल सिंह, एडवोकेट गजेन्द्र सिंह, संपादक पंचायत संदेश बद्रीनाथ,राष्ट्रीय सचिव नयना नंदकुमारी, श्रीमती मीना चौहान, बहादुर सिंह तोमर, देव तिवारी, ऋषव तिवारी, राज वीर सिंह राठी आदि उपस्थित रहेंगे।

सूचना नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम रूपेश कुमार (Rupesh Kumar) से बदलकर रूपेश कुमार बग्गा (Rupesh Kumar Bagga) कर लिया है। भविष्य में मुझे रूपेश कुमार बग्गा (Rupesh Kumar Bagga) के नाम से जाना व पहचाना जाएगा।

रूपेश कुमार बग्गा पुत्र कवल किशोर बग्गा निवासी 46-59 ब्लूसम एस्टेट 2 जय नगर कॉलोनी छतरपुर रुद्रपुर उधम सिंह नगर उत्तराखंड

स्वास्थ्य केंद्र में सर्जन की नियुक्ति होने से जनता को मिली बड़ी राहत

किच्छा(उद संवाददाता)। नगर स्थित सरदार बल्लभभाई पटेल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लंबे समय से सर्जन चिकित्सक की प्रतीक्षा कर रहे मरीजों एवं क्षेत्रीय जनता के राहत मिली है। स्वास्थ्य मंत्री प्रतिनिधि अभिषेक सक्सेना एवं उत्तरांचल दर्पण के साथ-साथ अन्य मीडिया की ओर से चिकित्सकों की नियुक्ति के लिए आवाज उठाई जा रही थी जिसके फल स्वरुप किच्छा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सरकार द्वारा सर्जन की तैनाती कर तोहफा दिया गया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत के जिला प्रतिनिधि अभिषेक सक्सेना के प्रयासों से उनके निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सर्जन डॉ तौकीर अहमद की नियुक्ति कर दी है। ज्ञात हो कि स्वास्थ्य केंद्र में लंबे समय से सर्जन का पद रिक्त होने के कारण मरीजों को जटिल रोगों के उपचार तथा ऑपरेशन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था तथा निजी अस्पतालों में इलाज कराने को मरीज मजबूर हो रहे थे। जिला प्रतिनिधि अभिषेक सक्सेना के प्रयासों से अब स्वास्थ्य केंद्र में सर्जन चिकित्सक की नियुक्ति होने के बाद क्षेत्रीय जनता एवं मरीजों ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ रावत का आभार जताया है। प्रतिनिधि सक्सेना द्वारा स्वास्थ्य मंत्री डॉ रावत से सर्जन चिकित्सक की जल्द तैनाती किए जाने का आग्रह करते हुए मरीजों को हो रही दिक्कतों से अवगत कराया था। उन्होंने बताया कि नगर स्थित एकमात्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करीब डेढ़ लाख से अधिक नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र की जनता के लिए उपचार का मुख्य केंद्र है, लेकिन विगत कई दिनों से सर्जन का पद रिक्त होने के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं पर इसका विपरीत असर पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि जल्द ही अन्य रिक्त पदों पर भी चिकित्सकों की नियुक्ति कराने का प्रयास किया जा रहा है तथा इस संबंध में उनकी स्वास्थ्य मंत्री डॉ रावत से विस्तार से वार्ता हुई है।

सूचना नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम VIKAS KUMAR (पुराना नाम) से बदलकर अब VIKAS KUMAR ARORA (नया नाम) कर लिया है। अतः अब से भविष्य में मुझे VIKAS KUMAR ARORA (नया नाम) S/O KEWAL KRISHNA के नाम से ही जाना व पहचाना जाये।

वर्तमान पता-H.N. A-7 C.A.,DURGA MANDIR GALI, MAIN MARKET, RUDRAPUR, DISTT. UDHAM SINGH NAGAR, 263153, UTTRAKHAND

वन भूमि की अवैध बिक्री का बड़ा खेल कई नामों का खुलासे होने से हड़कंप

सलीम, ताहिर,डॉक्टर,बाबू ,अंकल के नाम सामने आए, प्रशासन बना रहा है रिपोर्ट

रामनगर(उद संवाददाता)। पुछड़ी क्षेत्र में वन विभाग की जमीन पर वर्षों से चले आ रहे अतिक्रमण और विवाद के बीच अब अवैध रूप से वनभूमि बेचने वाले दलालों व प्रभावशाली लोगों के नाम तेजी से सामने आने लगे हैं। सोशल मीडिया पर पुछड़ी में किससे जमीन खरीदी इनमें ताहिर,सलीम, डॉक्टर, बाबू, अंकल जैसे नाम अवैध कब्जेदार ले रहे है।कोई कह रहा है एक लाख में कोई कह रहा है ढाई लाख में सरकारी वन भूमि का सौदा हुआ। दिलचस्प बात ये है वन विभाग ने भी ताहिर और उसके कुछ साथियों के खिलाफ पुलिस में पहले से ही एफआईआर दर्ज करवाई हुई है कि इनके द्वारा वन भूमि खुर्दबुर्द की हुई है। बताया जाता है कि उक्त भूमि की बिक्री को लेकर शासन ने एसआईटी जांच भी करवाई और इसमें भी इन आरोपियों के नाम सामने आए थे। सूत्रों के अनुसार, वन विभाग की जमीन को निजी संपत्ति बताकर रकम वसूलने का गोरखधंधा वर्षों से चल रहा था, जिसमें कई लोगों की मिलीभगत की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कुछ लोगों ने बिना किसी अधिकार के वन विभाग की जमीन को भूखंडों की तरह बेच दिया, और भोले-भाले परिवारों को कागजों व

रसीदों के नाम पर भ्रमित किया गया। जमीन बेचने वाले इस नेटवर्क में एक नहीं, बल्कि कई नाम शामिल बताए जा रहे हैं, जिनकी भूमिका की परतें अब खुलनी शुरू हो गई हैं। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद पीड़ित परिवारों ने मांग उठाई है कि वनभूमि बेचने वाले असली दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। वहीं प्रशासन भी अब इस पूरे प्रकरण की गहराई से जांच करने की तैयारी में बताया जा रहा है। स्थानीय सामाजिक संगठनों का कहना है कि "जिन लोगों ने सरकारी जमीन बेचकर लाखों रुपये कमाए, उन्हें बचाने की बजाय बेघर किए गए परिवारों को न्याय मिलना चाहिए।" अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच में और कौन-कौन से नाम सामने आते हैं और प्रशासन क्या कदम उठाता है ?जानकारी के मुताबिक सरकारी वन भूमि वो भी रिजर्व फॉरेस्ट की, को खुर्दबुर्द करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन और वन विभाग कानूनी शिकंजा कसने जा रहा है। वन विभाग के पास पर्याप्त साक्ष्य पहले से है इन भू माफिया के खिलाफ नैनीताल जिला प्रशासन सख्त धाराओं में कार्रवाई करने की तैयारी में है।एडीएम विवेक राय बताते है कि रामनगर के भू माफिया जल्द ही कानून के सख्त धाराओं में निरुद्ध किए जाएंगे। जो भूमि वन विभाग प्रशासन ने अवैध कब्जों से मुक्त करवाई है,उसकी सुरक्षा के लिए वन विभाग के प्रमुख सचिव आर के सुधांशु ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है उन्होंने बताया कि वन भूमि पर अवैध कब्जे बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे, रामनगर में जो भूमि खाली करवाई गई है उसकी सुरक्षा के लिए तारबाड़ कराई जा रही है एक वाच टावर भी बनाया जाएगा ताकि जंगल की भूमि सुरक्षित रह सके।

किंग्स हाइट इंटरनेशनल स्कूल के बच्चे शैक्षिक भ्रमण में पंतनगर पहुंचे

दिनेशपुर(उद संवाददाता)। किंग्स हाइट इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 7 तथा कक्षा 8 की छात्राओं ने पंतनगर विश्वविद्यालय की सैर की। छात्र-छात्राओं ने पंतनगर विश्वविद्यालय का म्यूजियम देख बहुत खुश हुए। गदरपुर विकासखंड के किंग्स हाइट इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों को बस द्वारा गोविंद बल्लभ पंत विश्वविद्यालय का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। पंतनगर भ्रमण के दौरान बच्चों को विश्वविद्यालय का म्यूजियम दिखाया गया। म्यूजियम देख बच्चों की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। इसके बाद बच्चों ने लाइब्रेरी का भ्रमण किया पुस्तकालय प्रभारी द्वारा छात्र-छात्राओं को कृषि से संबंधित पुस्तक दिखाई वह सभी के बारे में बताया विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा मत्स्य पालन शिक्षा मछली पालन शिक्षा कुकुट पालन और अन्य चीजों को देखा। इसके बाद बच्चों को मछली पालन के प्लांट दिखाए गए विश्वविद्यालय से संबंधित पौधशाला में विभिन्न प्रकार की किस्म के पौधे के बारे में बताया एक्सपोजर विजिट के द्वितीय चरण में पशु चिकित्सा एवं जंतु विज्ञान के क्षेत्र में बच्चों को विकसित कराई गई पशु चिकित्सा प्रभारी ने अपने यहां के विभिन्न प्रकार के पशु नस्ल के पशुओं के बारे में जानकारी दी और बताया कि हमारे यहां हर किस्म के पशु तैयार किए जाते हैं। इस मौके पर कैलाश, रूपाली सक्सेना सुश्री भावना परमानंद समेत अन्य शिक्षक गण मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय जु-जित्सू प्रतियोगिता में ऊधम सिंह नगर के खिलाड़ियों ने जीते 54 पदक

ओवरऑल चैंपियनशिप में प्राप्त किया दूसरा स्थान

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। जु-जित्सू एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड की और से इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स स्टेडियम, गौलापार में आयोजित हुई दो दिवसीय राज्य स्तरीय जु-जित्सू प्रतियोगिता में उधम सिंह नगर के खिलाड़ियों ने कुल 54 पदक जीतकर ओवरऑल चौंपियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया। जानकारी देते हुए जिला जु-जित्सू एसोसिएशन के महासचिव ऋषि पाल भारती ने बताया कि जु-जित्सू एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के नेतृत्व में आयोजित हुई दो दिवसीय उत्तराखंड राज्य स्तरीय जु-जित्सू प्रतियोगिता में उत्तराखंड के 11 जनपदों के 328 खिलाड़ियोंने विभिन्न स्पर्धाओं में अपना जौहर दिखाया। जिसमें जनपद उधम सिंह नगर के लगभग 100 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग करते हुए 28 स्वर्ण, 16 रजत एवं 10 कांस्य पदक सहित कुल 54 पदक अर्जित कर जनपद का मान बढ़ाया। एवम नैनीताल जिले ने 36 स्वर्ण, 24 रजत, 16 कांस्य पदक सहित 76 पदक जीते। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जिला जु-जित्सू एसोसिएशन के अध्यक्ष भारत भूषण चुघ ने हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे जनपद के खिलाड़ियों ने पिछले कई वर्षों से राज्य, राष्ट्रीय, एशियन सहित अनेकों प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसका श्रेय जिला जु-जित्सू एसोसिएशन के महासचिव ऋषि पाल भारती एवं उनकी टीम को जाता है। स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी सृष्टि वशिष्ठ, धृति कपूर, शिवान्या, वेद प्रसाद, नमीश कै.सी, देव, प्रज्ञान बिष्ट, मिनकू ठाकुर, अमन, सोनम, तनिश, आरव छाबड़ा, करमजीत सिंह, सिद्धांत गौतम, बबीता अधिकारी, मयंक दानू, जय लोहनी, निखिल घई, किशोर, लवली, कोमल, हर्ष वर्धन, सुजल, शिवम, कुशाग्र तिवारी, आरव चंदेल, आराध्या । रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में अंशिका शर्मा, साक्षी, लवली, क्रांति चंद, समरवीर, योगी राजपूत ईशा कौर, मडोना राणा, विशेष चौहान, रैनक शर्मा, गुरप्रीत कौर, आस्था राणा, अबीर भटनागर, प्रखर जोशी एवं कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में वैष्णवी, अभिनव, मडोना राणा, शिवांश, लक्ष्य परगाई, कर्णिका कांडपाल शामिल रहे। और आगे महासचिव भारती ने बताया कि राज्य प्रतियोगिता में पदक अर्जित करने वाले खिलाड़ियों को दिनांक 19 से 23 2025 तक हल्द्वानी के आईजीआई स्पोर्ट्स स्टेडियम गौलापार हल्द्वानी में आयोजित होने वाली अंडर 08 से अंडर 18 आयु वर्ग की राष्ट्रीय जु-जित्सू चौंपियनशिप में उत्तराखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। इस मौके पर जिला डीएसओ जानकी कार्की, जिला जु-जित्सू एसोसिएशन के पदाधिकारियों सिहान किशोर सिंह, जॉनी हीराम तिग्गा, शोभा तिग्गा, हिमा भट्ट, गंगा मेहरा, कृष्ण चौहान, कृष्ण साना, बलवंत सिंह, विक्रम सिंह, नरेंद्र सिंह, कंचन बसेरा, रूनू शर्मा, कमल सिंह, जय प्रकाश, हैप्पी सिंह, गुलशन कुमार, मिनकु ठाकुर, वसीम खान, सतनाम चावला, सहित अनेकों लोगों ने बधाई दी।

बाजार में अतिक्रमण से परेशान नगरवासी, कार्रवाई की मांग

गदरपुर (उद संवाददाता)।स्थानीय व्यापारियों और नगरवासियों ने बाजार में अतिक्रमण की समस्या को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। कुछ दिन पूर्व थाना दिवस के दौरान इस मुद्दे को लेकर एसएसपी मणिकांत मिश्रा से शिकायत भी दर्ज कराई गई थी, लेकिन अब तक बाजार से अतिक्रमण हटाने की कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिखाई दे रही है। दुकानों के आगे रखा सामान नाली से बाहर तक फैल गया है, जिससे राहगीरों को सड़क के बीच से गुजरना पड़ रहा है और बाजार में आवागमन मुश्किल हो गया है। सबसे गंभीर स्थिति नगर पालिका गेट के पास देखने को मिल रही है, जहां नाली पर भारी सामान रखा हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह अतिक्रमण नगर पालिका के गेट के ठीक बगल में हो रहा है, लेकिन इसके बावजूद पालिका प्रशासन की अनदेखी साफ नजर आ रही है। नगरवासियों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि जल्द से जल्द बाजार में फैले अतिक्रमण को हटाया जाए, नालियों की सफाई कराई जाए और यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के लिए नियमित निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि बाजार आने-जाने वाले नागरिकों और दुकानदारों को राहत मिल सके।

प्राग फार्म के किसानों ने फसल काटने की लगाई गुहार

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। प्राग फार्म किच्छा से आये किसानों ने मंगलवार को कलैक्ट्रेट पहुंचकर अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा से मुलाकात उनसे प्राग फार्म की करीब 400 एकड़ में खड़ी धान की तैयार फसल काटने की अनुमति देने का आग्रह किया। किसानों ने बताया कि यहां के किसान पिछले कई दशकों से सहकारिता के आधार पर खेती करते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि फसल की बचत का एक निर्धारित हिस्सा प्राग फार्म के लीज धारकों को देते रहे हैं। जिसकी रसीदें उनके पास मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि 16 अगस्त 2025 को सरकार ने प्राग फार्म की जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रारम्भ की। परंतु धान लगाते समय उन्हें रोका नहीं गया तथा कहा कि फसल कटने के बाद जमीन का अधिग्रहण किया जायेगा। किसानों ने बताया कि अभी तक 300 एकड़ में लगी फसल को काटा जा चुका है। जबकि शेष 400 एकड़ में लगी फसल को काटने पर प्रशासन ने रोक लगा दी है। इससे धान की तैयार फसल खेत में ही खराब हो जायेगी। एडीएम कौस्तुभ मिश्रा ने किसानों को बताया कि यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है। किसानों के हित को देखते हुए इस सन्दर्भ में उच्चाधिकारियों से वार्ता की जायेगी। इस दौरान तेजेन्द्र सिंह विर्क, बलविन्दर सिंह व सलविन्दर सिंह आदि मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

रुद्रपुर(उद संवाददाता)।उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस के अवसर पर अटल उत्कृष्ट ए.एन. झा स्कूल, रुद्रपुर में एक विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर का संचालन सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री योगेंद्र कुमार सागर के द्वारा किया गया। शिविर में श्री सागर ने उपस्थित छात्रों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध सजग रहने की शपथ दिलाई तथा उन्हें पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही और भ्रष्टाचार रोकथाम से जुड़े कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने भ्रष्टाचार विरोधी कानून, निवारक उपाय, संस्थागत तंत्र, तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के महत्वपूर्ण प्रावधानों को सरल भाषा में समझाया। सचिव ने बताया कि भ्रष्टाचार समाज, शासन, आर्थिक विकास और लोक-कल्याण पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए युवाओं में इसके प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य, अध्यापकगण तथा चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल मो. मिराज मौजूद रहे।

कार्बेट टाइगर रिजर्व में 17 साल बाद डिस्पेंसरी सेवाएं बहाल

रामनगर(उद संवाददाता)।कार्बेट टाइगर रिजर्व आने वाले लाखों पर्यटकों और अंदर तैनात वनकर्मियों के लिए राहत की बड़ी खबर है। रिजर्व के सबसे लोकप्रिय और दूरस्थ पर्यटन क्षेत्र ढिकाला में 17 वर्ष बाद मेडिकल डिस्पेंसरी सेवाएं दोबारा शुरू कर दी गई हैं। वर्ष 2008 तक सक्रिय रही यह डिस्पेंसरी लंबे समय से बंद पड़ी थी, जिसके कारण इस पूरे इलाके में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव बना हुआ था। ढिकाला जोन राष्ट्रीय राजमार्ग से लगभग 31 किलोमीटर भीतर कोर एरिया में स्थित है, जहां हर वर्ष बड़ी संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक सफारी के लिए पहुंचते हैं। ऐसे दुर्गम और संवेदनशील क्षेत्र में अचानक बीमारी, चोट, दुर्घटना या मानवख वन्यजीव संघर्ष जैसी परिस्थितियों के समय तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना अब तक बेहद चुनौतीपूर्ण रहा है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए कार्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने यथार्थ ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के सहयोग से ढिकाला डिस्पेंसरी को फिर से शुरू करने का निर्णय लिया। डिस्पेंसरी का औपचारिक उद्घाटन 28 नवंबर 2025 को डॉ. बडोला द्वारा किया गया। डिस्पेंसरी के पुनर्संचालन से अब सफारी के दौरान किसी भी स्वास्थ्य समस्या या आकस्मिक स्थिति में पर्यटकों को तत्काल प्राथमिक उपचार मिल सकेगा। वहीं, रिजर्व में लगातार तैनात वनकर्मियों के लिए भी यह सुविधा बड़ी राहत का साधन बनेगी, क्योंकि अब उन्हें उपचार के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। जंगल में होने वाली किसी भी संघर्षमय या आकस्मिक घटना की स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध होने से मानव वन्यजीव संघर्ष को संभालने की क्षमता भी मजबूत होगी। इसके साथ ही आपदा प्रबंधन और इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम भी और अधिक कारगर होगा। नवनिर्मित डिस्पेंसरी में सभी आवश्यक मेडिकल सामग्री, प्राथमिक उपचार किट, उपकरण और अन्य संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि यह केंद्र पर्यटकों और फील्ड स्टाफ दोनों के लिए विश्वसनीय स्वास्थ्य सहायता केंद्र के रूप में कार्य कर सके। उद्घाटन अवसर पर उप निदेशक राहुल मिश्रा, ढिकाला के वन क्षेत्राधिकारी उमेश चंद्र आर्या, यथार्थ ग्रुप के प्रतिनिधि प्रकाश श्रीवास्तव और विनोद बिष्ट सहित वन विभाग के अन्य कर्मी उपस्थित रहे। कार्बेट प्रशासन का कहना है कि इस पहल से ढिकाला क्षेत्र पहले से अधिक सुरक्षित और तैयार दिखाई देगा, विशेषकर पर्यटन सीजन के दौरान, जब यहां पर्यटकों की संख्या अत्यधिक बढ़ जाती है।

सेंट मैरी विद्यालय में सम्मानित हुए मीडिया कर्मी

किच्छा(उद संवाददाता)। नगर स्थित सेंट मैरी जूनियर हाई स्कूल में सशस्त्र झंडा दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के दबे कुचले लोगों की आवाज को शासन प्रशासन तक पहुंचाने तथा जन समस्याओं एवं ज्वलंत समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने वाले वरिष्ठ मीडिया कर्मियों को विद्यालय प्रबंधक द्वारा सम्मानित किया गया। नगर के आवास विकास स्थित सेंट मैरी जूनियर हाई स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में श्री कृष्णा मर्चेंट एसोसिएशन इंटर कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रवक्ता एवं सेंट मैरी विद्यालय के प्रबंधक अब्दुल रहमान अंसारी ने सशस्त्र झंडा दिवस के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले शहीदों को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रबंधक अंसारी ने कहा कि सशस्त्र झंडा दिवस के टिकट के माध्यम से एकत्रित की गई धनराशि को शहीद सैनिकों के आश्रितों, दिव्यांग सैनिकों के कल्याण हेतु उपयोग में लाया जाता है, इसलिए हम सभी को इस अभियान में भागीदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन युवा समाजसेवी एम रहमान अंसारी ने किया। इस मौके पर उन्होंने वरिष्ठ पत्रकार राजू सहगल, रनजीत सिंह मानकिया, अब्दुल अली तन्हा एवं राज सक्सेना को शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मौके पर युवा समाजसेवी बंटी पपनेजा, जावेद खान, सरताज अंसारी, फारूक अहमद, बॉबी अंसारी आदि मौजूद रहे।

अयान अली मिस्टर फ्रेशर और पूजा मिस फ्रेशर बनी

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान सिक्स सिग्मा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, रुद्रपुर में पॉलीटेक्निक विभाग की फ्रेशर पार्टी का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस वर्ष स्वागत समारोह का विषय 'उद्भव' रखा गया, जिसका उद्देश्य नए और वरिष्ठ छात्रों के बीच भाईचारा, सहयोग, टीमवर्क और सौहार्दपूर्ण वातावरण को बढ़ावा देना था। समारोह का शुभारंभ संस्थानाध्यक्ष ललित सिंह बिष्ट, उपप्रधानाचार्य मुकेश कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अनुभव बाठला और पॉलीटेक्निक विभाग के संकाय सदस्यों ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद छात्रों ने रंगारंग प्रस्तुतियों, फैशन शो, मोबाइल के दुष्प्रभाव पर नाटकीय और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। आकर्षक रैंप वॉक और मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का ध्यान खींचा और कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। संस्थानाध्यक्ष और इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों ने छात्रों को संबोधित करते हुए तकनीकी शिक्षा में अनुशासन, व्यवहारिक ज्ञान, नवाचार और समर्पण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नए छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी। फ्रेशर पार्टी में मिस्टर और मिस फ्रेशर के चयन हेतु प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें मिस्टर फ्रेशर का खिताब अयान अली और मिस फ्रेशर का खिताब पूजा मंडल को प्रदान किया गया। कार्यक्रम की सफलता में पॉलीटेक्निक विभाग की टीम शिल्पा, नेहा मंडल, ललित भट्ट, मुनीश और वरिष्ठ छात्रों का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर संस्थान की प्रबंध निदेशिका डॉ. सीमा अरोरा, प्रबंधकीय सदस्य वंश डावर और शौर्य अरोरा, संस्थानाध्यक्ष ललित सिंह बिष्ट, उपप्रधानाचार्य मुकेश कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अनुभव बाठला तथा सभी विभागाध्यक्ष और शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे। समारोह ने नए छात्रों का उत्साह बढ़ाया और पॉलीटेक्निक विभाग में भाईचारा व टीम भावना को और मजबूत किया।

उत्तराखण्ड की 184 ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए 1700 करोड़ मंजूर

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के साथ आपदा से क्षतिग्रस्त सड़कों और पीएमजीएसवाई से जुड़े विषयों पर की विस्तृत चर्चा

नई दिल्ली/देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से भेंट कर प्रदेश की कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, ग्रामीण विकास को गति देने तथा हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा से प्रभावित अवसंरचना के पुनर्निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। बैठक के दौरान राज्य की 184 ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए 1700 करोड़ रुपये की मंजूरी प्रदान की गई, जिनकी कुल लंबाई 1228 किलोमीटर होगी। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के साथ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) से जुड़े विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल की प्राकृतिक आपदा में प्रदेश की 946 सड़कें और 15 पुल गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनके पुनर्निर्माण के लिए लगभग 650 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों वाले पर्वतीय राज्य के लिए यह क्षति अत्यंत चुनौतीपूर्ण है और ऐसी स्थिति में केंद्र से विशेष सहयोग अपेक्षित है, ताकि प्रभावित अवसंरचना का त्वरित पुनर्निर्माण किया जा सके। मुख्यमंत्री ने हाल की आपदा से क्षतिग्रस्त लगभग 5900 घरों की मरम्मत के लिए भी उत्तराखण्ड को

आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड में कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि राज्य के लगभग 90 प्रतिशत किसान लघु एवं सीमांत श्रेणी के हैं और फसलों को जंगली जानवरों से होने वाली क्षति एक गंभीर चुनौती है। इस संदर्भ में उन्होंने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.वी.वाई.)-डी.पी. आर. योजना के तहत घेराबंदी कार्यों को शामिल किए जाने पर केंद्र सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही उन्होंने फसलों की सुरक्षा और उत्पादन वृद्धि के लिए अलग से बजट की व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए आगामी पाँच वर्षों तक प्रतिवर्ष 200 करोड़ रुपये के बजट की व्यवस्था करने का आग्रह किया। इस पर केंद्रीय मंत्री ने शीघ्र ही अग्रिम धनराशि आवंटित करने का आश्वासन दिया, जिससे घेराबंदी कार्य व्यापक स्तर पर शुरू किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने पीएम-आरकेवीवाई योजना के अंतर्गत स्वच्छता एक्शन प्लान नमामि गंगे क्लीन अभियान हेतु वर्ष 2025-26 के लिए स्वीकृत 98 करोड़ रुपये शीघ्र जारी करने का भी आग्रह किया। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि राज्य की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर संज्ञान में लिया जाएगा तथा केंद्र सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। इस अवसर पर सांसद श्री महेन्द्र भट्ट, कृषि एवं किसान कल्याण सचिव श्री देवेश चतुर्वेदी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री आलोक कुमार पाण्डेय और उत्तराखण्ड के स्थानिक आयुक्त श्री अजय मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान जी के सहयोग से हमारी 184 ग्रामीण सड़कों के निर्माण हेतु 1700 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। मैं प्रधानमंत्री जी और केंद्रीय मंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। यह स्वीकृति राज्य के पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में आवागमन को सुगम बनाएगी, कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार करेगी। हमारी सरकार 'समृद्ध ग्राम-समृद्ध उत्तराखण्ड' के संकल्प को लेकर प्रतिबद्ध है। यह स्वीकृति निश्चित रूप से उत्तराखण्ड के ग्रामीण विकास को नई गति देगी और विकसित भारत /2047 के लक्ष्य की दिशा में राज्य की प्रगति को और अधिक सुदृढ़ करेगी।

स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर में निकाली जागरूकता रैली

हल्द्वानी(उद संवाददाता)।लक्ष्मी शिशु मंदिर, हल्द्वानी में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संस्था नैनीताल के तत्वाधान में आयोजित चार दिवसीय तृतीय सोपान प्रशिक्षण एवं जांच शिविर के अंतर्गत मंगलवार को एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल मंजुनाथ टी.सी. ने दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम में मुख्य शिक्षा अधिकारी / जिला मुख्यायुक्त, स्काउट-गाइड ने मुख्य अतिथि एवं आगन्तुकों का स्वागत किया तथा संस्था के इतिहास और

नैनीताल जिला संस्था की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। अपने संबोधन में एसएसपी मंजुनाथ टी.सी. ने स्काउट-गाइड आंदोलन की प्रशंसा करते हुए कहा कि अनुशासन, सेवा और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव बच्चों में विकसित करने में संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने जिला मुख्यायुक्त के नेतृत्व में संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। इस अवसर पर जिला संस्था के उपसंरक्षक बिन्देश गुप्ता, लक्ष्मी शिशु मंदिर के प्रबंधक पियूष गुप्ता, तथा एम.बी. ट्रस्ट के सचिव सूशील अग्रवाल उपस्थित रहे। शिविर में जिले के विभिन्न विकास खंडों से आए लगभग 400 स्काउट-गाइड, स्काउट मास्टर्स, गाइड कैप्टन, रोवर-रेंजर, कब-बुलबुल आदि ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव राम सिंह जीना द्वारा किया गया। प्रशिक्षण टीम में महेन्द्र सैनी, चन्द्र लाल, विजय बहादुर, जीतपाल सिंह कठैत, संतोष जोशी, उमेश तिवारी, सीमा सेन, अनुराधा, पुष्पा धर्मवाल सहित अन्य प्रशिक्षक मंडल शामिल रहे।

SAHAS Homeo
साहस होम्यो मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक
जर्मन तथा सभी प्रकार के होम्योपैथिक व बायोकेमिक दवाईयों के विक्रेता

डॉ. यश पाण्डेय
होम्योपैथिक फिजिशियन
बी.एच.एम.एस., जयपुर
चर्म रोग | गुर्दा रोग | पेट रोग
गुदा रोग | लिवर सम्बन्धि रोग
अन्य रोग • स्पान्डीलाईटिस • श्वास रोग • मोटापा • दमा • प्रोस्टेट • माइग्रेन • टान्सिल • एलर्जी • ब्रोनकाइटिस
बच्चों के रोग • पेट का दर्द • अपच • कान में संक्रमण / दर्द • खांसी • जुकाम • निमोनिया • बुखार • दांत निकलना
साहस होम्यो क्लीनिक
निकट गुरुद्वारा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी
मो. 9456727473, 9410514531 रविवार अवकाश

28 दिसंबर को हल्द्वानी में आयोजित राज्य सम्मेलन पर की चर्चा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रेड यूनियन ऐक्टू से संबद्ध उत्तराखंड आशा हेल्थ वर्कर्स यूनियन की जिला कमेटी की बैठक मंगलवार को ऐक्टू के किच्छा बाईपास स्थित कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए राज्य उपाध्यक्ष रीता कश्यप ने कहा कि आगामी 28 दिसंबर को हल्द्वानी में यूनियन का राज्य सम्मेलन प्रस्तावित है। सभी ब्लॉकों से यूनियन के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य आशाओं की मांगों को उठाना, नए श्रम कोड्स के खिलाफ संघर्ष और नई राज्य परिषद व कार्यकारिणी का निर्माण करना है। हमें इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत से सम्मेलन की तैयारियों में जुटना होगा।

जिला अध्यक्ष ममता पानू ने कहा कि हमारी यूनियन आशा वर्कर्स के शोषण के खिलाफ 2011 से संघर्ष करती आ रही है। यूनियन ने कई लड़ाइयां संघर्ष के दम पर जीती भी हैं। लेकिन जबखजब यूनियन व संघर्ष कमजोर होता है तो सरकार व प्रशासन द्वारा आशाओं का शोषण बढ़ जाता है। इसलिए यूनियन को और ज्यादा मजबूत करना है और शोषण के खिलाफ संघर्ष जारी रखना है। जिला उपसचिव अनिता अन्ना ने कहा कि केंद्र सरकार ने पुराने 44 श्रम कानूनों को खत्म कर नए 4 श्रम कोड लागू कर दिए है। जो श्रमिक विरोधी हैं। इन नए 4 श्रम कोड्स में आशा, आंगनबाड़ी, भोजनमाता, औद्योगिक श्रमिक, निर्माण मजदूर सहित अपना श्रम बेचकर आजीविका चलाने वाले तमाम श्रमिकों के सेक्टर में काम करने वाले लोगों के अधिकार खत्म कर दिए गए हैं। नियोक्ताओं को असीमित अधिकार दे दिए गए हैं। यूनियन बनाने के अधिकार को पूरी तरह से कमजोर कर दिया गया है। इन 4 श्रम कोड्स के खिलाफ तमाम श्रमिक वर्गों सहित आशाओं को भी संघर्ष करना होगा।नबैठक में बाजपुर ब्लॉक अध्यक्ष अन्नू,बाजपुर ब्लॉक उपाध्यक्ष रेखा यादव, सितारगंज ब्लॉक सचिव सरमिन सिद्दीकी, सितारगंज ब्लॉक अध्यक्ष मंजू,काशीपुर ब्लॉक अध्यक्ष सुधा शर्मा, काशीपुर ब्लॉक उपाध्यक्ष स्नेहलता चौहान ,गदरपुर ब्लॉक कोषाध्यक्ष लक्ष्मी रावत,गदरपुर ब्लॉक अध्यक्ष काजल मिस्त्री उपस्थित थे।

जिले भर में चला सघन चेकिंग अभियान

रुद्रपुर(उद संवाददाता)।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के निर्देशन में उधमसिंहनगर पुलिस द्वारा जनपद भर में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से यह अभियान सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ संचालित किया गया। एसएसपी ने जनपद के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि अपने-अपने क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टि से लगातार चेकिंग अभियान चलाते रहें, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत नियंत्रण किया जा सके। अभियान में पुलिस टीमों ने जनपद के प्रमुख एंट्री एवं एग्जिट प्वॉइंट्स, बस अड्डों, रेलवे स्टेशन, पार्किंग क्षेत्रों, बाजारों तथा अन्य भीड़भाड़ वाले संवेदनशील स्थानों पर कड़ी निगरानी रखी। संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहनता से जांच की गई ताकि किसी भी प्रकार की अवांछित घटना को तुरंत रोका जा सके। यह अभियान जनपद में शांति-सुरक्षा, कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा अपराधों की रोकथाम के साथ-साथ नागरिकों की सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निरंतर चलाया जा रहा है। उधमसिंहनगर पुलिस ने आमजन से भी सहयोग की अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि जिले में अमन-चैन और सुरक्षा कायम रह सके।

सड़कों की स्वीकृति पर सांसद अजय भट्ट ने जताया आभार

हल्द्वानी। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री एवं नैनीताल उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र के सांसद अजय भट्ट ने ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा उत्तराखंड की 184 ग्रामीण सड़कों के निर्माण हेतु 1700 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। सांसद भट्ट ने कहा कि भारत सरकार द्वारा लिया गया यह बड़ा निर्णय उत्तराखंड के ग्रामीण विकास को नई गति देने वाला है। स्वीकृत धनराशि से 184 सड़कों का निर्माण किया जाएगा, जिनकी कुल लंबाई 1228 किलोमीटर होगी। उन्होंने बताया कि इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा मूलभूत सुविधाओं तक पहुंच और सुदृढ़ होगी।

हिंदुत्व भारत की आत्मा और पहचान: दत्तात्रेय होसबोले

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यात्रा के विषय पर जन गोष्ठी आयोजित

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। हिंदुत्व भारत की पहचान है और यह केवल धार्मिक पहचान नहीं है, भौतिक पहचान भी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने हिंदुत्व ही भारत की पहचान के मंत्र को आधार मानकर ही संघ को आगे बढ़ाया है और यही संघ की 100 वर्षों की यात्रा का स्रोत है, यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने 100 वर्ष की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यात्रा के विषय पर जेपीएस सभागार में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी में कही। इससे पूर्व उनके द्वारा दीप प्रज्वलित कर संघ गोष्ठी का शुभारंभ किया गया। प्रमुख जन गोष्ठी को संबोधित करते हुए श्री होसबोले ने कहा कि संघ के संस्थापक डॉक्टर केशव राव बलिराम हेडगेवार ने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया और बहुत से क्रांतिकारियों का सहयोग भी किया किंतु उनके मन में यह विचार हमेशा चलता रहा कि भारत एक प्राचीन राष्ट्र है और हमेशा से ही भौतिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में उन्नति करता रहा है। यहाँ किसी चीज का अभाव न था फिर भी वह कौन सा कारण था कि हम बार-बार प्रभावित होते थे और हमारे समाज में मानसिक एवं बौद्धिक गुलामी का स्वभाव उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि एक कालखंड ऐसा रहा जब हमारे समाज के लोग केवल व्यक्तिगत हित के बारे में विचार करते थे समाज नहीं। यही विचार कर डॉक्टर केशव राव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की और संकल्प लिया कि हिंदू समाज की शक्ति को संघ की शाखा के माध्यम से संगठित करके इस मानसिकता को बदलेंगे। उन्होंने एक ऐसा तंत्र शाखा के रूप में समाज को दिया जिससे संघ ने व्यक्ति निर्माण का कार्य प्रारंभ किया। श्री होसबोले ने कहा कि संघ केवल व्यक्ति निर्माण का कार्य करेगा और स्वयंसेवक समाज के हर क्षेत्र में कार्य करेंगे। संघ के स्वयंसेवकों ने समाज में विभिन्न क्षेत्रों में बहुत से संगठनों का निर्माण कार्य किया आज संघ के माध्यम से देश में लगभग 1 लाख से ज्यादा सेवा प्रकल्प के कार्य चल रहे हैं। संघ जो भी कर रहा है समाज के सहयोग से ही कर रहा है और समाज में जिस व्यक्ति का राष्ट्र भाव जागृत होता है वो संघ के सेवा कार्य से आकर जुड़ जाता है। श्री होसबोले ने संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर समाज में पञ्च परिवर्तन सूत्र समरसता, नागरिक कर्तव्य, स्व का बोध , कुटुंब प्रबोधन और पर्यावरण के कार्यों को ले जाने का आग्रह किया और विस्तार से इसकी जानकारी देते हुए कहा कि हमने कोई सेलिब्रेशन या जुबली कार्यक्रम नहीं करने थे, संघ हमेशा समाज को जाग्रत करने का काम जो करता आया है उसी दिशा में कार्य कर रहा है और समाज में राष्ट्र प्रथम की भावना के लिए प्रेरित कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के समाज को श्रेष्ठ समाज बनाने के लिए संघ अपना प्रयास जारी रख रहा है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता को अपने स्वभाव में लाने पर जोर दिया साथ ही परिवार के महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए उसे भारत के लिए जरूरी बताते हुए कहा कि हमारा भारत तभी सुरक्षित रहा क्योंकि हमारे परिवार सुरक्षित रहे, आर्थिक रूप से भी मजबूत रहा, किसान के पुत्र ने किसानी की, बुनकर के पुत्र बुनकर बने और ये परम्परा आज भी चल रही है।उन्होंने कहा यही स्वदेशी का भाव है। उन्होंने कहा कि समाज के लिए अच्छे काम करने के लिए लोगों को आगे आना चाहिए इससे समाज को प्रगति मिलती है। संघ ने ऐसे लोगों को संघ के लिए काम करने वाला बताते हुए कहा कि संघ के कार्यकर्ता इसमें मदद करते है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत बदलेगा ऐसा वातावरण बनेगा ऐसा उन्हें विश्वास है। कार्यक्रम में मंच पर डॉ बहादुर सिंह बिष्ट प्रांत संघचालक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख राजकुमार मताले, क्षेत्र प्रचार प्रमुख पदम सिंह, प्रांत प्रचारक शैलेन्द्र, सह प्रांत प्रचारक चंद्रशेखर, विपुल शर्मा के साथ साथ समाज के विभिन्न संगठनों और संस्थानों के गणमान्य नागरिक रहे।

दस वर्ष की सेवा पूरी कर चुके नगर निकाय कर्मियों ने सीएम को भेजा ज्ञापन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ, शाखा नगर निगम रुद्रपुर ने प्रदेश एवं जिला संगठन के निर्देशानुसार नगर निकाय में 10 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री उत्तराखंड के नाम एक ज्ञापन सौंपा।संघ की प्रमुख मांग है कि स्थायीकरण/नियमितीकरण से जुड़ी प्रक्रिया में वर्तमान कट ऑफ डेट 2018 को बदलकर कट ऑफ डेट 2025 किया जाए, ताकि 2018 के बाद सेवा में आए तथा 10 वर्ष पूर्ण कर चुके कर्मचारी भी लाभान्वित हो सकें।ज्ञापन सौंपते हुए पदाधिकारियों ने कहा कि लंबे समय से नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मियों को अभी तक नियमितीकरण का लाभ नहीं मिल पाया है। ऐसे में कट ऑफ डेट में संशोधन से हजारों कर्मचारियों को न्याय मिल सकेगा और उनका भविष्य सुरक्षित हो पाएगा।ज्ञापन देने वालों में जिला सचिव सुनील गुरु, शाखा अध्यक्ष सोनू मुल्तानी, महामंत्री अंकित, राजू पहलवान, मुकेश भगत, अनिल, नन्हे, राजपाल सहित अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन से भिड़ी बाईक सड़क पर बिखरे शराब के पाउच

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मंगलवार की रात्रि किच्छा मार्ग पर अवैध कच्ची शराब से भरे कट्टों को ले जाती बाईक के अज्ञान वाहन से हुए टक्कर के बाद सड़क पर कच्ची शराब के पाउच बिखर गये। जिससे घबराकर बाईक सवार दो युवक अपनी बाईक व शराब के कट्टों को वहीं पर छोड़ भाग खड़े हुए। मामले की सूचना मिलने पर रम्पुरा चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बाईक व शराब के बिखरे पाउच व कट्टों को अपने कब्जे में लिया और फरार दोनों नशा तस्करों की खोजबीन शुरू कर दी। बताया जाता है कि मंगलवार की रात्रि किच्छा मार्ग पर दो युवक बाईक संख्या यूपी 21 एए 9793 पर कुछ कट्टों को लेकर तेजी से जा रहे थे। इसी दौरान बाईक की अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। जिससे बाईक पर रखे कट्टे खुल गये और उनमें भरे हुए कच्ची शराब के पाउच सड़क पर इधर उधर बिखर गये। यह मंजर देख बाईक सवार दोनों युवक घबरा गये और वह अपनी बाईक व शराब के कट्टों को वहीं पर छोड़ भाग खड़े हुए। मार्ग पर आते जाते वाहनों के नीचे आकर शराब के पाउच से शराब सड़क पर फैल जाने से वहां दुर्गंध का वातावरण हो गया। मामले की सूचना मिलने पर रम्पुरा चौकी पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और उन्होंने शराब के बिखरे पाउच व कट्टों के साथ ही बाईक को अपने कब्जे में लिया। पुलिस का कहना है कि शीघ्र ही दोनों फरार नशा तस्करों को पकड़ लिया जायेगा।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

मिड डे मील का बजट

सरकारी स्कूलों में बच्चों के पोषण का स्तर बेहतर करने और कक्षाओं में उनकी उपस्थिति बढ़ाने के मकसद से मध्याह्न भोजन की महत्वाकांक्षी योजना चलाई जा रही है। मगर हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में ऐसे स्कूल भी हैं, जहां के बच्चों को दोपहर का भोजन तो मिल रहा है, लेकिन वह सरकार की ओर से जारी धन के जरिए नहीं, बल्कि शिक्षकों के आपसी सहयोग या दुकानदारों से लिए गए उधार के सहारे। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में शिक्षा व्यवस्था के भीतर एक विडंबनापूर्ण स्थिति दिखाई दे रही है बच्चों को पोषण उपलब्ध कराने और स्कूलों में उनकी उपस्थिति बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही मध्याह्न भोजन योजना का बोझ अब शिक्षकों के कंधों पर आ गया है। सरकारी बजट तीन महीने से जारी नहीं हुआ, लेकिन इसके बावजूद शिक्षक अपने संसाधनों और स्थानीय दुकानदारों से उधार लेकर बच्चों का भोजन किसी तरह जारी रखे हुए हैं। यह स्थिति बच्चों के भविष्य, शिक्षण-व्यवस्था की संवेदनशीलता और सरकारी तंत्र की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करती है। ऐसे में इस इलाके में स्कूली बच्चों को उनके भरोसे छोड़ने के बजाय शिक्षकों ने अपने बीच आर्थिक सहयोग या फिर आसपास की दुकानों से उधार लेकर मध्याह्न भोजन किसी तरह जारी रखा हुआ है। इसमें कोई दोराय नहीं कि सरकारी बजट की राशि जारी न होने के बावजूद जो शिक्षक आपसी आर्थिक सहयोग के जरिए स्कूल में बच्चों को भोजन मुहैया करा रहे हैं, वे संवेदनशील हैं और अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। सरकारी स्कूलों के बच्चे आमतौर पर कमजोर तबकों से आते हैं और उनका परिवार कई तरह के अभावों का सामना करता है। ऐसे में शिक्षकों ने बच्चों के मध्याह्न भोजन के लिए जिस स्तर पर सहयोग किया, वह मानवीय पहल, प्रशंसा और प्रेरणा का एक सकारात्मक संदर्भ है। निश्चित तौर पर शिक्षकों ने अपनी मानवीय भूमिका का निर्वाह किया। मगर सवाल है कि व्यवस्थागत रूप से मध्याह्न भोजन निर्बाध उपलब्ध कराना किसकी जिम्मेदारी है? मध्याह्न भोजन योजना केंद्र और राज्य दोनों के सम्मिलित प्रयास से संचालित होती है। राशि जारी करना, वितरण व्यवस्था सुचारु रखना, और स्कूलों में भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करना यह सब 'सरकारी तंत्र का दायित्व' है, न कि शिक्षकों का। यदि बजट ही जारी नहीं हुआ तो शिक्षक कैसे भोजन परोसें? फिर भी उन पर कार्रवाई का भय क्यों है? यह भय इसलिए है क्योंकि नियम यह मानते हैं कि भोजन रुकना नहीं चाहिए। लेकिन जब व्यवस्था की ही चूक है तो इसका भार शिक्षकों पर डालना किस हद तक उचित है? यह स्थिति बताती है कि सरकारी योजनाएँ कागजों पर चाहे जितनी सुव्यवस्थित हों, जमीनी स्तर पर सिस्टम की सुस्ती या लापरवाही बच्चों की मूलभूत आवश्यकताओं को प्रभावित कर देती है।

अखिलेश का सियासी प्रहार

समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेता अखिलेश यादव ने आज 09 दिसंबर को लोकसभा में अपना भाषण देते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग स्वतंत्र संस्था का स्वरूप खो चुका है और सत्ताधारी दल के इशारों पर नाच रहा है। विशेष वोटर सूची संशोधन प्रक्रिया में भारी अनियमितताएं हो रही हैं, जिससे विपक्षी दलों के समर्थकों के वोट कटने की साजिश रची जा रही है। अखिलेश ने स्पष्ट शब्दों में आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और उसके सहयोगियों ने जिन सीटों पर जीत हासिल की थी, उन क्षेत्रों में पांच हजार से अधिक वोट जानबूझकर डिलीट करने की तैयारी चल रही है। उन्होंने चुनाव आयोग को चेतावनी दी कि यह लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ है और जनता इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। भाषण की शुरुआत में ही अखिलेश ने लोकसभा अध्यक्ष से अपील की कि सदन का माहौल शांत रखा जाए ताकि उनकी बात सुनी जा सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में स्वतंत्र वोटर सूची संशोधन के नाम पर सत्ताधारी दल विपक्ष को कमजोर करने का कुचक्र चला रहा है। बिहार के बाद उत्तर प्रदेश में यह प्रक्रिया तेज हो गई है और मुस्लिम, दलित, पिछड़े तथा अति पिछड़े वर्गों के इलाकों में मतदान केंद्र अधिकारी घर-घर जाकर वोटरों के नाम मिटाने का काम कर रहे हैं। अखिलेश ने उदाहरण देते हुए बताया कि 2022 के विधानसभा चुनाव में भी इसी तरह की चालाकी से समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने की राह में रोड़ा अटकाया गया था। उन्होंने दावा किया कि अब 2027 के चुनाव से पहले यही सिलसिला दोहराया जा रहा है, जिससे डेढ़ से दो करोड़ वोट प्रभावित हो सकते हैं। भाषण के दौरान अखिलेश ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि योगी सरकार घुसपैठियों को पकड़ने के नाम पर डिटेंशन सेंटर बना रही है, लेकिन असल में यह अल्पसंख्यक समुदाय को डराने का हथकंडा है। अखिलेश ने तंज कसते हुए पूछा कि अगर घुसपैठिए इतने खतरनाक हैं तो इन्हें पकड़ने के बजाय क्यों निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाजवादी पार्टी घुसपैठ के खिलाफ है, लेकिन निर्दोषों को सताने का विरोध करेगी। योगी सरकार के डिटेंशन सेंटरों को अखिलेश ने अमानवीय बताया और कहा कि इससे प्रदेश की शांति भंग होगी। उन्होंने सदन के सदस्यों से अपील की कि इस मुद्दे पर एकजुट होकर आवाज उठाएं। अखिलेश ने चुनाव आयोग की कमियों को गिनाते हुए कहा कि आयोग ने बिना किसी तैयारी के स्वतंत्र वोटर सूची संशोधन शुरू कर दिया। मतदान केंद्र अधिकारियों पर इतना दबाव बनाया गया कि गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में कई ने आत्महत्या तक कर ली। उन्होंने आयोग से मांग की कि इस प्रक्रिया को स्थगित कर समय बढ़ाया जाए ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। भाषण में अखिलेश ने सत्ताधारी दल पर भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद भाजपा भ्रष्टाचार की चरम सीमा पर पहुंच गई है। भाजपा भविष्य की बातें करती है, लेकिन वर्तमान में जनता की पीड़ा को नजरअंदाज कर रही है। अखिलेश ने चार सौ चौदह दिनों में उत्तर प्रदेश चुनाव होने की बात कही और दावा किया कि समाजवादी पार्टी इस साजिश का डटकर मुकाबला करेगी। उन्होंने विपक्षी दलों से एकता की अपील की और कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए सबको साथ आना होगा। अखिलेश के भाषण के बीच में सत्ताधारी दल के सदस्यों ने हंगामा किया, लेकिन अखिलेश ने शांत स्वर में अपनी बात जारी रखी। उन्होंने कहा कि सच्चाई से सरकार डर रही है, इसलिए हंगामा कर रही है। अखिलेश ने बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान का हवाला देते हुए कहा कि आरक्षण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जातीय जनगणना जरूरी है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा कि अगर पहले साथ देते तो आज यह मांग न करनी पड़ती। भाषण में ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया गया। अखिलेश ने सेना की बहादुरी की तारीफ की, लेकिन सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुलवामा जैसी घटनाओं में खुफिया तंत्र की नाकामी की जिम्मेदारी कौन लेगा। सीजफायर का फैसला किस दबाव में हुआ, इसका जवाब सरकार दे। अखिलेश ने आर्थिक नीतियों पर भी प्रहार किया। उन्होंने कहा कि व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ रही मार को रोकने के लिए गंभीर कदम उठाने होंगे। रक्षा बजट को सकल घरेलू उत्पाद का तीन प्रतिशत करना चाहिए और इसे गैर-लंचेपदह बनाना चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत की बात करते हुए कहा कि देश को अपनी रक्षा सामग्री खुद बनाने पर जोर देना होगा। भाषण के अंत में अखिलेश ने सुझाव दिए कि पाकिस्तान और आतंकवाद पर दस-पंद्रह वर्षीय रणनीति बनानी चाहिए। उन्होंने चीन सीमा विवाद का जिक्र किया और सरकार से इंफ्रास्ट्रक्चर पर स्पष्टता मांगी। अखिलेश का यह भाषण करीब पैंतालीस मिनट चला और सदन में जोरदार प्रतिक्रिया पैदा की। विपक्ष ने तालियां बजाईं तो सत्ताधारी दल ने विरोध जताया। गृह मंत्री अमित शाह ने भी जवाब में कई बातें कहीं। अखिलेश के भाषण ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता इसे चुनावी हथियार के रूप में देख रहे हैं। अखिलेश ने साबित कर दिया कि वे मुद्दों पर सीधी बात कहने से पीछे नहीं हटते। चुनाव आयोग पर आरोपों ने विपक्ष को मजबूत एकजुटता का संदेश दिया। डिटेंशन सेंटरों पर टिप्पणी से योगी सरकार पर दबाव बढ़ गया। अखिलेश का यह आक्रामक रुख 2027 के चुनावों की दिशा तय कर सकता है। उन्होंने जनता से अपील की कि सच्चाई के साथ रहें और साजिशों को नाकाम करें। भाषण ने राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा छेड़ दी है। मीडिया चैनलों पर इसे प्रमुखता से दिखाया जा रहा है। समाजवादी पार्टी का आधार मजबूत करने में यह भाषण मील का पत्थर साबित होगा। अखिलेश ने सिद्ध किया कि वे न केवल कुशल वक्ता हैं बल्कि मुद्दों के जानकार भी।

संजय सक्सेना,वरिष्ठ पत्रकार

वंदे मातरम् का विभाजन !

मुस्लिम तुष्टिकरण की बुनियाद पर भारत को जितनी हानि उठानी पड़ी है, दुनिया के अन्य किसी देश ने नहीं उठाई। इसकी शुरूआत अंग्रेजों ने बंगाल विभाजन से की,इसी कड़ी में वंदे मातरम गीत के टुकड़े किए गए और फिर देश का भी बंटवारा जिन्ना की अलग मुस्लिम राष्ट्र बनाने की जिद के चलते हो गया। जबकि संपूर्ण वंदे मातरम् गीत भारत की शाश्वत संकल्पना है। राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में हुई चर्चा के दौरान गीत के विभाजन के लिए पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सीधे जिम्मेवार ठहराया। कहा, 'नेहरू ने जिन्ना की सांप्रदायिक चिंताएं दोहराकर वंदे मातरम के साथ विश्वासघात किया। गीत के टुकड़े कराए। इससे देश तुष्टिकरण की राजनीती की राह पर चल पड़ा,जो देश विभाजन पर जाकर थमा।' इसी तुष्टि के चलते 1875 में रचित इस गीत के केवल दो पद राष्ट्रीय गीत के रूप अपनाए गए। मोदी के इस कथन ने इतिहास के इस काले पन्ने पर जमा धूल को हटाने का काम नए सिरे से कर दिया है। जबकि आजादी की लड़ाई में वंदे मातरम् की भावना ने पूरे राष्ट्र का जागरण किया था, लेकिन दुर्भाग्य से 1937 में इस गीत के महत्वपूर्ण पदों को उसकी आत्मा के एक हिस्से को अलग कर दिया गया था। जिस भाव से वंदे मातरम् के टुकड़े किए गए थे, कालांतर में उसी भाव ने विभाजन के बीज बो दिए थे। जबकि यह ठोस और निर्विवाद सच्चाई है कि देश को आजादी दिलाने में इस गीत की अहम् भूमिका रही है।बंकिमचंद्र चटर्जी के बांग्ला भाषा में लिखे गए उपन्यास 'आनंद मठ' में यह गीत दर्ज है। राष्ट्रगान के रूप में स्वीकारा गया यह गीत कोई मामूली गीत नहीं है। भारत को उसकी व्यापक राष्ट्रीयता की पहचान और स्वाभिमान इसी गीत से प्राप्त हुए। नागरिक सभ्यता की विरासत, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानव सेवा के मूल्यों के उत्स इसी गीत के समवेत स्वर की उपज हैं। अंग्रेजों के विरुद्ध भिन्न जातीय और धर्म-समुदायों को संगठित करने के अभियान में इसी गीत की भूमिका बुलंद थी। तय है, वंदे मातरम् क्रांति के स्वरों में नींव का पत्थर था। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की रक्त धमनियों में विद्रोह की उग्र भावना इसी गीत की देन है। 1942 में महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन को देशव्यापी धरातल इसी गीत के बूते मिला था। और वह यही आंदोलन था, जिसमें गांधी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था।यह नारा गांधी के अहिंसा के सिद्धांत पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करने वाला भी माना जाता है। सुभाषचंद्र बोस की आजाद हिन्द फौज के फौजियों ने भी इसी गीत को गाते हुए मातृभूमि की बलिवेदी पर प्राण न्यौछावर किए थे। हालाँकि महात्मा गांधी 1905 में ही लिख चुके थे कि वंदे मातरम इतना लोकप्रिय हो गया है कि वह राष्ट्रगान जैसा बन गया है। 14 अगस्त 1947 की मध्य-रात्रि में जब देश आजाद हो रहा था, तब इस मंत्र-गीत का गायन श्रीमती सुचेता कृपलानी ने किया और वहां उपस्थित लोग इस गीत के सम्मान में गीत खत्म न हो जाने तक खड़े रहे थे। 15 अगस्त 1947 को जब स्वतंत्रता का सूर्योदय हो रहा था, तब आकाशवाणी पर पंडित ओंकारनाथ ठाकुर ने इसे बड़े ही रोचक ढंग से गाया। आखिरकार 24 अगस्त 1948 को जन-गण-मन के साथ इस गीत को भी राष्ट्र गीत की प्रतिष्ठा मिली। लेखक और दार्शनिक युगदृष्टा होते हैं, इसलिए बंकिम बाबू ने इस गीत को लिखे जाने के वक्त ही अपनी दिव्य-दृष्टि से अनुभव कर लिया था कि यह गीत राष्ट्रीय आंदोलन का हिस्सा बनकर लोकप्रियता के शिखर चूमेगा, इसीलिए उन्होंने इसे बांग्ला भाषा में न लिखते हुए संस्कृत में लिखा। मूल और संपूर्ण गीत की केवल नौ पंक्तियां बंगाली में हैं। इस गीत का जो संपादित अंश राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया गया है, वह केवल दो पद और आठ पंक्तियों में है।वंदे मातरम् को इस्लाम विरोधी जताया जाता रहा है। जब कांग्रेस ने इसे प्रार्थना गीत के रूप में स्वीकार किया था, तब भी इसकी खिलाफत शुरू हो गई थी। 15 अक्टूबर 1937 को लखनऊ में मोहम्मद अली जिन्ना वंदे मातरम का विरोध किया।

वस्तुत: नेहरू ने इस विरोध के पांच दिन बाद ही सुभाष बोस लिखे एक पत्र में कहा कि 'आनद मठ में उल्लेखित वंदे मातरम की पृष्ठभूमि मुसलमानों को उकसा सकती है।' इसी के बाद कांग्रेस कार्यकारिणी ने आचार्य नरेन्द्र देव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। इसमें मौलाना आजाद, पंडित नेहरू और सुभाष चन्द्र बोस जैसे प्रखर संस्कृति मर्मज्ञ सदस्य थे। समिति को जिम्मेदारी सौंपी गई थी कि वे रवीन्द्रनाथ ठाकुर से विचार-विमर्श कर वंदे मातरम् के संबंध में दो टूक सलाह दें। समिति द्वारा रवीन्द्रनाथ से परामर्ष के बाद जो प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, उसके उपरांत कांग्रेस कार्यकारिणी ने फैसला लिया कि हरेक राष्ट्रीय सार्वजनिक सभा में वंदे मातरम् के केवल दो पद गाये जाएं।यानी कांग्रेस मुस्लिम लीग के समक्ष झुकी और मुस्लिम तुष्टिकरण की राह पकड़ ली। तुष्टि का यही रास्ता देश को विभाजन के द्वार तक ले गया। बावजूद देश-विभाजन के लिए जिम्मेदार मुस्लिम लीग के नेता वंदे मातरम् को बुतपरस्ती, अर्थात मूर्ति पूजा मानते हुए इसका विरोध लगातार करते रहे। इस बहाने लीगियों ने अल्पसंख्यकों को खूब उकसाया। नतीजतन 1938 तक कांग्रेस के जो प्रमुख मुस्लिम नेता इस गीत की राष्ट्रीय गरिमा का ख्याल रखते चले आ रहे थे, वे भी दबी जुबान से इसका विरोध करने लगे। इसकी प्रतिक्रिया स्वरूप बहुसंख्यक हिंदू और सिख हठपूर्वक इस गीत की महिमा के बखान में लगे रहे। बाद में साझा सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के नजरिये से उर्दू के उदारवादी कवियों व राजनीतिकों ने वंदे मातरम् का अनुवाद 'ऐ मादर, तुझे सलाम करता हूं' किया, अर्थात हे माता, तुझे प्रणाम करता हूं करके किया,लेकिन कट्टरपंथियों के भाव उतरा नहीं।जबकि मुल्क को गुलामी से आजाद कराने की इस इबादत में गलत कुछ भी नहीं था। अरबी-फारसी के अनेक कवियों ने भी देश को 'मां' कहकर संबोधित किया है। लिहाजा राष्ट्र के प्रति अपनी भावनाओं व उद्गारों को प्रचलित रूपकों अथवा प्रतीकों में प्रकट करना मूर्ति पूजा या बुतपरस्ती कतई नहीं थी। वंदे मातरम् एक मौलिक रचना है, इसकी व्याख्या धर्म नहीं, केवल साहित्य के संदर्भ में होनी चाहिए थी। इसे यदि कोई सांसद या विधायक इस्लाम विरोधी जताता है, तो उसका मकसद धर्म के बहाने राजनीतिक रोटियां सेंकना भर था, जो अलगाववादी राजनीति की संकीर्ण मानसिकता का प्रतीक है।जिन्ना और अन्य लीगी इसी विभाजनकारी मानसिकता से काम करते रहे और देश दो टुकड़ों में बंट गया। स्वतंत्र भारत में निर्वाचित कुछ मुस्लिम सांसद और विधायक संविधान की शपथ लेने के बाद भी सदन में इस गीत का अनादर करते रहते हैं। ऐसे ही चंद सिरफिरे मुस्लिमों ने आजाद हिंद फौज के नारे, 'जय हिंद' का भी विरोध किया था। दैनिक अखबार 'डान' ने वंदे मातरम् की आलोचना की थी, तब गांधी को कहना पड़ा था, 'वंदे मातरम् कोई धार्मिक नारा नहीं है, यह विशुद्ध राजनीतिक नारा है।' यही नारा था, जिसने सोये हुए भारत को जगाने का काम करके, आजादी हासिल कराई थी।अतएव संसद में इस गीत के इतिहास में झांकने की बहस को एक सबक के रूप में लेना चाहिए,जिससे भविष्य में देश की संप्रभुता एवं अखंडता से खिलवाड़ की गुंजाइश ही नहीं रह जाए?

-प्रमोद भार्गव लेखक, वरिष्ठ पत्रकार

अग्निकांड की घटनाओं से निपटने को फायर हाइड्रेंट निरीक्षण टीम गठित

नैनीताल(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने नैनीताल नगर में बढ़ती अग्निकांड की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए नगर में स्थापित फायर हाइड्रेंट्स का निरीक्षण करने के लिए तीन अधिकारियों की विशेष टीम गठित की है। जिलाधिकारी ने कहा कि नैनीताल नगर एक ब्रिटिश कालीन पर्वतीय बस्ती है, जिसकी पुरातन इमारतें प्राय: काष्ठ-आधारित संरचना पर निर्मित हैं, जो किसी भी अग्निकांड की स्थिति में उच्च जोखिम उत्पन्न कर सकती हैं। उन्होंने हाल ही में घटित घटनाओं का उल्लेख करते हुए नगर क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं, विशेषकर फायर हाइड्रेंट्स की कार्यशीलता और उनकी पहुँच क्षमता का सम्यक आकलन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दिशा में जिलाधिकारी ने परगना अविकारी नैनीताल, अधिशासी अभियंता उत्तराखंड जल संस्थान नैनीताल और अग्निशमन अधिकारी फायर स्टेशन नैनीताल की एक संयुक्त टीम गठित की है। टीम को नगर क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर प्रत्येक फायर हाइड्रेंट की स्थिति का विवरण तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही दमकल वाहनों की वास्तविक पहुँच क्षमता का परीक्षण किया जाएगा, और मरम्मत, प्रतिस्थापन या अतिरिक्त हाइड्रेंट स्थापना के लिए आवश्यक तकनीकी और प्रशासनिक अनुशंसाएँ तैयार की जाएँगी। टीम हाइड्रेंट में पानी की सीधी सप्लाई की व्यावहारिक संभावनाओं पर भी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। जिलाधिकारी ने टीम को निर्देश दिए हैं कि निरीक्षण कार्य तुरंत प्रारंभ किया जाए और सात दिन के भीतर सम्यक जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए, ताकि नगर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके और भविष्य में किसी भी आकस्मिक अग्निकांड की स्थिति में समय पर प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित हो सके।

श्री तुलसीधाम में सैकड़ों लोगों के नेत्रों की हुई जांच

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। श्री तुरासीधाम सेवा समिति द्वारा स्वामी श्री रमेश दास जी व स्वामी श्री कृष्णलाल जी की पुण्यतिथि के मौके पर श्री राम आई केयर सेंटर व नर्सिंग होम के वरिष्ठ डाक्टर अशोक गर्ग द्वारा नि:शुल्क नेत्र शिविर लगाया गया। जिसका शुभारम्भ ब्लॉक प्रमुख रीना गौतम व जितेन्द्र गौतम के कर कमलो द्वारा किया गया।न इस मौक पर अशोक गर्ग ने कहा कि समिति के सेवादार तन, मन, धन से सेवा में लगे रहते हैं।श्रीमती रीना गौतम ने कहा कि हमें समाज की सेवा करते रहना चाहिए। श्री गौतम ने भी समिति के कार्यों की सराहना की। तत्पश्वात श्री गुरू महाराज जी ने सभी को आर्शीवचन देते हैं हुए जीवन जीने का सही राह दिखाया। कैम्प मे लगभग 300 मरीजों के नेत्रों का परीक्षण हुआ। जिसमे लगभग 70 लोगों के नेत्रों के मोतियाबिन्द आप्रेशन किये जायेगे । इस मौके पर मल्सा गिरधरपुर के प्रधान प्रतिनिधि रितिक खुराना, वेद प्रकाश खुराना, डा. शिव मोहन, झण्डा राम बांगा, वैजनाथ हावड़ा, राजकुमार खनिजो, राजू चावला, विपिन बांगा, पुलकित चावला, अशोक बांगा, भजन बांगा, अनिल बांगा, सुरेन्द्र सुराना, पंकज गांधी, प्रदीप कामरा, अकित बांगा, मनीष तरीका, संजीव कामरा, राजकुमार हुड़िया, सागर घई, गोविन्दा शर्मा, रवि चावला, विनोद नरूला, गुरदास बांगा, ईशान्त बांगा, राजेश कामरा, सजल अनेजा व श्री तुलसी धाम परिवार के सभी सदस्य मौजूद थे।

टनकपुर में पत्रकारों ने अशोक गुलाटी का किया जोरदार स्वागत

टनकपुर(उद संवाददाता)।पत्रकार प्रेस परिषद के प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव अशोक गुलाटी अपने तीन दिवसीय टनकपुर चंपावत दौरे पर पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत पत्रकार प्रेस परिषद टनकपुर इकाई द्वारा किया गया। स्वागत की अगुवाई इकाई अध्यक्ष शुभम गौड़ ने की। अशोक गुलाटी ने टनकपुर इकाई के पत्रकारों को नए पहचान पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने पत्रकारों की भूमिका को लोकतंत्र की रीढ़ बताते हुए कहा पत्रकार लोकतंत्र के प्रहरी हैं, और उनके अधिकारों का हनन किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। पत्रकारों

की सुरक्षा, सम्मान और कानूनी अधिकारों के लिए परिषद निरंतर संघर्षरत है। सरकार व प्रशासन को पत्रकारों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। गुलाटी ने पत्रकारों को बताया कि जल्द ही बुलंदशहर में पत्रकारों का दो दिवसीय महा-अधि वेशन आयोजित होने जा रहा है, जिसमें रक्षा मंत्री के विशेष रूप से सम्मिलित होने की संभावना है। इस महाधिवेशन में देशभर के प्रतिष्ठित पत्रकार भाग लेंगे। इस दौरान पत्रकारों ने अशोक गुलाटी को जन्म दिन की शुभकामनाएं भी दी। इस दौरान इकाई अध्यक्ष शुभम गौड़, उपाध्यक्ष पुष्कर सिंह महर, महामंत्री राजीव गुप्ता, संगठन मंत्री नवीन भट्ट, सचिव विनोद जोशी, मीडिया प्रभारी रोहित, कोषाध्यक्ष मयंक पंत उप्रेती, संरक्षक शंकर जोशी, आबिद सिद्दीकी, चमन भदोरिया, सदस्य मोहम्मद कैफ, सूरी पंत सहित कई पत्रकार उपस्थित रहे।

दुकानों के सामने अतिक्रमण कर रहे व्यापारी

सकैनिया मोड़ के पास नगर पालिका ने अतिक्रमणकारियों को दी २४ घंटें की मोहलत

गदरपुर। प्रशासन की अनदेखी के कारण नगर के बाजारों में अतिक्रमण बढ़ रहा है मुख्य बाजार चौक चौराहे आदि जगहों पर दुकानदारों ने दुकानों के सामने सड़क पर कई फुट अतिक्रमण किया हुआ है तो वहीं कुछ दुकानदार अपनी दुकान के आगे चार्ट वगैरा के ठेले लगवा कर अतिक्रमण करवा रहे हैं जिससे मुख्य बाजार से पैदल निकलना भी कभी-कभी दुबर हो जाता है नगर के व्यापारियों की है हठधर्मिता व प्रशासन की लापरवाही के चलते नगर के बाजारों में अतिक्रमण ने पूरी तरह से अपने पैर पसार लिए हैं दुकानदारों ने अपने दुकान के सामने बेंच लगाकर सामान बाहर तक निकाल लिया है इसके अलावा लोग दुकानों के सामने वाहन खड़ा कर देते हैं तथा कुछ दुकानदारों

ने तो सरकारी नाली के 10-10 फुट आगे तक अतिक्रमण कर रखा है बात करें नगर पालिका के सामने कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकान के आगे पैसे लेकर ठेले लगवा रखे हैं वहीं नगर पालिका प्रशासन ने अतिक्रमण को हटाने के लिए कई बार व्यापारियों से अपील की है मंगलवार को भी नगरपालिका की टीम ओर वार्ड नंबर 4 के सभासद अश्वनी कुमार ने सकैनिया मोड़ के पास कुछ दुकानदारों को 24 घंटे की चेतावनी दी है नगर पालिका की टीम ने साफ कहा है कि अगर 24 घंटे तक अतिक्रमण नहीं हटाया तो 5100 का चलानी होगा।अब देखना यह होगा कि दुकानदारों पर इसका कितना असर होता है।

कांग्रेस की रैली सफल बनाने को बैठक का आयोजन, दिखी गुटबाजी

काशीपुर। कांग्रेस की दिल्ली में 14 दिसंबर को होने वाली 'वोट चोर गद्दी छोड़ो' रैली को सफल बनाने के उद्देश्य से एक बैठक का आयोजन डॉक्टर लाइन स्थित गौड़ सभा में किया गया। पीसीसी सदस्य अनुपम शर्मा ने कहा कि देश में पहली चोरी तब हुई जब केंद्र सरकार ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव किया। पहले चुनाव आयुक्त का चयन एक पारदर्शी और संतुलित प्रणाली के तहत होता था लेकिन अब सरकार ने चयन प्रक्रिया में बदलाव कर लोकतंत्र की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर गंभीर प्रहार किया है। अनुपम शर्मा ने कहा कि 14 दिसंबर की रैली ऐतिहासिक रैली होगी बैठक में मंसूर अली

मंसूरी, अब्दुल अजीज कुरैशी, इलियास माहिगीर, राशिद फारूखी, अक्षित मिड्ढा, आदि कांग्रेसी मौजूद रहे। वहीं दूसरी तरफ वैचारिक भिन्नता के कारण कांग्रेस की गुटबाजी यहां खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। दिल्ली में आयोजित रैली को लेकर संपन्न हुई बैठक के दौरान महिला कांग्रेस की अध्यक्ष समेत कई महत्वपूर्ण चेहरे कार्यक्रम से नदारद रहे। गुटबाजी के कारण कांग्रेस यहां काशीपुर में पिछले कई वर्षों से पराजय का दंश झेल रही है। सूत्रों की माने तो संगठन यहां गुटबाजी की भेंट चढ चुका है

रानीबाग में सात दिवसीय 'युवा आपदा मित्र' प्रशिक्षण शुरू

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एनडीएमए और गृह मंत्रालय भारत सरकार की युवा आपदा मित्र योजना के तहत यूएसडीएमए तथा जनपद आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नैनीताल द्वारा संचालित सात दिवसीय एनसीसी कैडेट प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को रानीबाग में प्रारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल के निर्देशों के अनुसार आयोजित किया जा रहा है। पहले दिन प्रशिक्षुओं को डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट 2005, आपदा उपकरणों के उपयोग, बेसिक डिजास्टर मैनेजमेंट, विभिन्न गांठों और फंदों का अभ्यास तथा भूकंप सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण में कुल सत्तर एनसीसी कैडेट्स सहभागी हैं जिन्हें आपदा के समय खोज, बचाव और राहत कार्यों को प्रभावी ढंग से अंजाम देने की प्रशिक्षण प्रक्रिया से गुजारा जा रहा है। प्रशिक्षण टीम में जिला आपदा प्रबंधन अधि कारी योगेश उनियाल, मास्टर ट्रेनर नवीन चंद्र तथा लोक भवन स्थित एसडीआरएफ की खोज एवं बचाव टीम शामिल है। कार्यक्रम 15 दिसंबर 2025 तक चलेगा और इसका उद्देश्य युवाओं को सक्षम आपदा स्वयंसेवक के रूप में तैयार करना है।

बंगाली कल्याण समिति अध्यक्ष के विवादित बयान पर भाजपा ने जताया कड़ा रोष

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। बंगाली कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप अधिकारी द्वारा कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा एवं पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा के प्रति कथित अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने के विरोध में शक्तिफार्म में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कड़ा रोष व्यक्त किया। मंडल भाजपा अध्यक्ष गोविंद तालुकदार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने एकत्र होकर दिलीप अधिकारी के कथित बयान की कड़ी निंदा की। मंडल अध्यक्ष गोविंद तालुकदार ने कहा कि बंगाली कल्याण समिति जैसे सामाजिक संगठन के पदाधिकारी द्वारा इस प्रकार की अभद्र

टिप्पणी अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने समिति के सभी डेलीगेट्स से मांग की कि वे प्रदेश अध्यक्ष दिलीप अधिकारी से तत्काल स्पष्टीकरण मांगें तथा भाजपा कार्यकर्ताओं और कैबिनेट मंत्री के खिलाफ किए गए अपमानजनक बयान को वापस लेकर सार्वजनिक माफी मांगने के लिए बाध्य करें। उन्होंने कहा कि समिति को अपनी नियमावली के दायरे में रहकर बंगाली समाज के कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए, न कि किसी राजनीतिक टिप्पणी से समाज में तनाव पैदा करना चाहिए। गोपाल सरकार, संजय बछाड़, देबू मंडल, सुमंत विश्वास, अशोक माली, संजीव दे पानू सरकार, तारक मंडल, प्रभाकर राय, विष्णुपद प्रमाणिक, गोपाल सरकार, नेपाल सरकार, बाबूराम मंडल, माखन मंडल, विश्वदेव मंडल, प्रकाश राय, विधान सरकार, दिलीप मिस्त्री, विश्वजीत हालदार, पूर्वग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य तथा भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेज एक का शेष...

तो उत्तराखंड के ...में देखने के लिए मिलेंगे। एसआईआर से पहले बीजेपी अभियान चला कर सभी से अपील करेगी तथा प्रवासियों के पास पहुंच कर उनसे अपने गांव में वोट बनवाकर मतदान करने का आग्रह करेगी , इससे जनसंख्या का जो बजट होता है उसमें भी बढ़ोतरी होगी। हम पार्टी की तरफ से लोगों को सभी जानकारियां उपलब्ध कराएंगे और उम्मीद है कि लोग इस बात को समझेंगे और वोट अपने गांव में बनवाकर वहीं पर मताधिकार का प्रयोग करेंगे। यहां इस तथ्य का उल्लेख आवश्यक है कि पलायन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड में लगभग 1700 से अधिक गांव खाली को चुके हैं और लाखों लोग अलग -अलग राज्य में भी बस चुके हैं। ऐसे में अगर भाजपा राज्य से बाहर गए सभी मतदाताओं को वापस गांव तक लाने में सफल रहती है, तो यह अभियान विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के लिए तो तुरप का इक्का साबित हो सकता है।

ससुरालियों ने विवाहिता...और नकद दो लाख रुपये की मांग की। विवाहिता के अनुसार मांग पूरी न होने पर पति द्वारा उसके साथ कई बार मारपीट की गई और जातिगत टिप्पणी कर अपमानित किया गया। तहरीर में यह भी आरोप है कि आरोपी पति खुद की ऊंची राजनीतिक पहुंच का हवाला देकर उसे धमकाता था। पीड़िता ने कहा कि उसे संदेह है कि पति किसी अन्य महिला से संबंध भी रखता है और गलत गतिविधियों में भी लिप्त रहता है। पीड़िता ने बताया कि 10 अगस्त 2025 की शाम पति ने उसके साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया और दहेज की रकम न लाने पर साथ न रखने की धमकी दी। विवाहिता ने यह भी कहा कि आरोपी पति उसके नाम पर बैंक लोन करवाकर राशि का अनुचित इस्तेमाल करता था। बैंक किस्तों से संबंधित कॉल लगातार विवाहिता के नंबर पर आते रहते हैं। तहरीर में यह भी उल्लेख है कि 1 सितंबर 2025 को आरोपी पति समाज के लोगों के सामने पीड़िता के मायके पहुंचा और खुलेआम धमकी देकर चला गया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर पति रजत दीक्षित और उसके माता-पिता के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तमंचे के साथ... एक अवैध तमंचा बरामद हुआ। आवश्यक जानकारी जुटाने के बाद गिरफ्तार बदमाश का पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट के तहत चालान करते हुए प्रयुक्त मोटर साइकिल को कब्जे में लेकर उसे सीज कर दिया।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

कांग्रेस में नहीं थम रही गुटबाजी, बैठक में फैला रायता

पार्षद परवेज व कांग्रेस महानगर अध्यक्ष ममता में छिड़ा वाक युद्ध

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। कांग्रेस की दिल्ली में 14 दिसम्बर को आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली की तैयारियों के सन्दर्भ में मंगलवार को सिटी क्लब में कांग्रेस की बैठक के दौरान किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ के समक्ष कांग्रेस के पार्षद परवेज कुरैशी व कांग्रेस महानगर अध्यक्ष ममता रानी के मध्य तीखा वाक युद्ध छिड़ गया। जिससे वहां काफी देर तक हंगामा होता रहा। बाद में विधायक श्री बेहड़ ने सभी को शांत कर दोनों पक्षों को समझाया और मिलकर कार्य करने को कहा। हुआ यूं कि मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक सिटी क्लब में आयोजित की गई थी। जिसमें पार्षद परवेज कुरैशी ने अपने सम्बोधन में इस बात पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा खेड़ा में ईदगाह के पास 8 एकड़ भूमि को अपने कब्जे में लिया गया। परंतु पार्टी के किसी भी पदाधिकारी व नेता ने इसके खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला। जबकि मुस्लिम समाज ने हमेशा कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। परवेज ने कहा कि उनके वार्ड से मुस्लिम मतदाताओं से ही हमेशा कांग्रेस प्रत्याशी ही विजयी होता आया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस 90 प्रतिशत वोट तो लेती है परंतु 90 पैसे काम भी नहीं करती है। परवेज ने जब कांग्रेस के जिला व नगर पदाधिकारियों को अपना निशाना बनाना शुरू किया तो बैठक में मौजूद महानगर अध्यक्ष ममता रानी स्वयं को रोक नहीं पाई और उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि वह किसी व्यक्ति विशेष की समर्थक न होकर संगठन के प्रति समर्पित हैं जिसने उन्हें यह दायित्व सौंपा है। उन्होंने कहा कि यहां मौजूद कई पार्षदों ने आज तक उनके कंधे पर हाथ रखकर यह नहीं कहा कि हम तुम्हारे साथ हैं। उन्होंने कहा कि उनकी अगुआई में कांग्रेस ने कई कार्यक्रम आयोजित किये लेकिन पार्टी के यहां मौजूद कई पार्षद उसमें नजर नहीं आये। जबकि उन्होंने सभी को हर कार्यक्रम की फोन पर सूचना दी। दोनों के मध्य तीखी तकरार होने पर विधायक श्री बेहड़ ने सबको शांत कराते हुए मिलकर कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि सरकार के उत्पीड़न के खिलाफ विपक्ष को आवाज उठानी चाहिए इस पर कोई रोक नहीं है। वह स्वयं हमेशा जनविरोधी नीतियों का हर मंच पर विरोध करते आ रहे हैं। कांग्रेस पार्षद व महानगर अध्यक्ष के मध्य हुआ वाक युद्ध चर्चा का विषय बना हुआ है। इसकी गूंज देहरादून पार्टी मुख्यालय तक भी तक भी पहुंच चुकी है।

गोल्डन एजेंसी पर लगी देश की सबसे बड़ी सेल

होम अप्लायंस पर 'एक के साथ एक फ्री' ऑफर शुरू

रुद्रपुर। शहरवासियों के लिए खुशखबरी है। रुद्रपुर के श्याम टॉकीज रोड, कंचन तारा से आगे कॉर्नर पर स्थित गोल्डन एजेंसी में इस वर्ष के अंतिम माह में सबसे बड़ी सेल का आगाज हो गया है। पिछले 52 वर्षों से ग्राहकों का विश्वास जीतने वाले गोल्डन एजेंसी के प्रतिष्ठान में इस बार होम अप्लायंस के सामानों पर विशेष ऑफर दिया जा रहा है, जिसके तहत एक समान खरीदने पर दूसरा समान बिल्कुल मुफ्त दिया जा रहा है।गोल्डन एजेंसी के स्वामी किशोर अरोड़ा ने बताया कि उनका प्रतिष्ठान वर्ष 1972 से लोगों की सेवा में लगातार कार्यरत है। उन्होंने बताया कि देश की अग्रणी कंपनी पीएनबी के होम अप्लायंस पर यह विशेष ऑफर लागू किया गया है। ग्राहक यदि डिनर सेट, कुकर, थर्मल, तवा सहित तमाम घरेलू सामानों को खरीदते हैं तो उनके साथ उसी श्रेणी का एक अतिरिक्त सामान फ्री दिया जा रहा है।श्री अरोड़ा ने कहा कि यह ऑफर उत्तराखंड में पहली बार केवल गोल्डन एजेंसी द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसके चलते ग्राहकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। माल की मौजूदगी तक गोल्डन एजेंसी ने यह अनोखी स्कीम जारी रखते हुए उपभोक्ताओं को बड़े लाभ देने का संकल्प लिया है। उन्होंने बताया कि लगातार बढ़ती मांग और ग्राहकों के भरोसे को देखते हुए प्रतिष्ठान द्वारा यह आकर्षक ऑफर लाया गया है।गोल्डन एजेंसी की इस अनोखी 'एक के साथ एक फ्री' स्कीम के चलते रुद्रपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए लाभ का सौदा है। गोल्डन एजेंसी का यह ऑफर ग्राहकों के लिए एक सुनहरा मौका है, जिसे हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। (एड)

सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में भीषण आग प्रधानाचार्य और बच्चे को सुरक्षित निकाला

नैनीताल (उद संवाददाता)। मल्लीताल क्षेत्र के घनी आबादी वाले चीना बाबा मंदिर के पास स्थित सरस्वती शिशु मंदिर की बिल्डिंग में मंगलवार देर शाम अचानक भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी फैल गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में स्कूल की इमारत का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह जलकर खाक हो गया। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के सभी घरों को एहतियातन खाली करवा लिया गया। शाम करीब साढ़े सात बजे स्थानीय लोगों ने स्कूल की बिल्डिंग से धुआं उठते देखा और तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। फायर ब्रिगेड के जवान मौके पर पहुंचे तो तब तक आग तेजी से फैल चुकी थी और धुएं का घना गुबार पूरे क्षेत्र में फैल गया था। इसी दौरान स्कूल भवन के भीतर मौजूद प्रधानाचार्य रमेश तिवारी, उनका बेटा और उनका पालतू कुत्ता फंसे हुए थे। फायर फाइटर्स ने समय रहते उन्हें सुरक्षित बाहर निकालकर बड़ा हादसा होने से बचा लिया।स्कूल के भीतर चीड़ की लकड़ी की मौजूदगी आग फैलने की बड़ी वजह बनी। स्थानीय निवासियों के अनुसार, लकड़ी ने आग को पल भर में भड़का दिया, जिससे उस पर काबू पाना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया। आग की गंभीरता को देखते हुए हल्द्वानी, भीमताल और भवाली से अतिरिक्त फायर ब्रिगेड की टीमें बुलवाई गईं। पुलिस और दमकल कर्मियों ने स्कूल के आसपास सुरक्षा घेरा बनाकर आग पर नियंत्रण कार्य शुरू किया। अधिकारियों के अनुसार देर रात तक आग के बड़े हिस्से को बुझा लिया गया था, हालांकि भीतर लगी चीड़ की लकड़ी में दहकती आग को पूरी तरह शांत करने में अधिक समय लगा। नुकसान का विस्तृत आकलन अभी बाकी है। एसडीएम ने बताया कि प्रशासन ने तत्काल आपदा कंट्रोल रूम और जल संस्थान को सक्रिय किया, जिसके बाद विभिन्न नगरों से फायर ब्रिगेड मंगाई गईं और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इमारत के भीतर फंसे दोनों लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया।